MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 29 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-267

या अल्लाह!

शाही मस्जिद हटाने पर बवाल

उज्जैन , 28 सितंबर (एजेंसियां)। उज्जैन के शाही मस्जिद मामले में दायर याचिका मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच हुए समझौते के आधार पर मामले को निराकृत कर दिया। याचिकाकर्ता शाही मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता कुलदीप पाठक ने बताया कि सड़क के लिए तीन फीट जगह देने और कुछ दुकानों को हटाने पर सहमति बनी है। बड़ी मीनार को दूसरी ओर स्थानांतरित किया जाएगा तथा दुकानदारों को दूसरी जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

पुलिस पर पथराव, लाठीचार्ज और आंसू गैस

इससे पहले सोमवार सुबह मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। भीड़ को हटाने की कार्रवाई के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। घटना के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया।दोपहर होते-होते एक बार फिर पथराव शुरू हो गया। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच प्रशासन की कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय कार्रवाई रोक दी गई। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे शांत हो गई।

तीन थानों में 20 लोगों के खिलाफ मामला, 15 हिरासत में

पुलिस ने तीन थानों में 20 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, जिनमें आठ लोगों को नामजद किया गया है। नामजद आरोपियों में पांच सामाजिक माध्यम प्रभावक भी शामिल हैं। ▶8पर

इसी रूट पर थे खड़े हनुमान

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण को लेकर शाही मस्जिद का मामला विवाद में आ गया है। छत्री चौक स्थित शाही मस्जिद का प्रस्तावित सड़क सीमा में आने वाला करीब 11 फीट हिस्सा हटाया जाना है। सोमवार को कार्रवाई शुरू होने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया और पुलिस पर पथराव किया।

इससे पहले भी धार्मिक स्थलों को लेकर चर्चा में रहा है। कंठाल से छत्री चौक के बीच सड़क चौड़ीकरण की जद में करीब 170 वर्ष पुराना खड़े हनुमान मंदिर भी आया था। मंदिर को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी और इसको लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध भी हुआ। हाईकोर्ट के आदेश में भी इस मार्ग पर स्थित अन्य संरचनाओं और सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे इस

मार्ग पर अधिकांश बाधक संरचनाएं हटाई जा चुकी थीं और संबंधित मस्जिद की संरचना प्रमुख शेष बाधाओं में शामिल थी। ▶8पर

खैरताबाद उप-चुनाव SIR के बाद

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को राजपत्र अधिसूचना जारी कर खैरताबाद से विधायक दानम नागेंद्र को 23 अप्रैल 2024 से अयोग्य घोषित कर दिया है।

इससे विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह उपचुनाव चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) के बाद राज्य का पहला चुनावी परीक्षण होगा।

यह अधिसूचना तेलंगाना उच्च न्यायालय के 18 सितंबर के आदेश के बाद जारी की गई, जिसमें नागेंद्र को दलबदल विरोधी प्रावधानों के तहत अयोग्य ठहराया गया था। नागेंद्र दिसंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में खैरताबाद से बीआरएस प्रत्याशी के रूप में चुने गए थे, लेकिन इसके बाद अप्रैल 2024 में उन्होंने सिकंदराबाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था।

खैरताबाद उपचुनाव तेलंगाना में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के नवंबर में पूरा होने के बाद राजनीतिक दलों के लिए पहला चुनावी परीक्षा होगा। इस प्रक्रिया से क्षेत्र के मतदाता आधार में पहले ही पर्याप्त बदलाव आ चुके हैं।

एसआईआर से पहले खैरताबाद में 2,93,667 मतदाता थे। मसौदा मतदाता सूची में 1,70,195 नाम शामिल थे, क्योंकि इसमें शुरू में उन मतदाताओं के नाम थे जिन्होंने गणना फॉर्म जमा किए थे। अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत्यु और डुप्लीकेट (एएसडीडी) श्रेणी के तहत मसौदा सूची से 1,23,472 नाम हटा दिए गए हैं। इनमें से 95,082 मतदाताओं को क्षेत्र से स्थायी रूप से स्थानांतरित होने की श्रेणी में रखा गया है।

मतदाता सूची संशोधन से बड़ी संख्या में नोटिस भी जारी हुए हैं। 81,404 मतदाताओं को उनके नाम एसआईआर 2002 डेटाबेस से न जुड़े होने या गणना फॉर्म में विसंगतियों के कारण नोटिस दिए गए हैं। उपचुनाव में वोट डालने के योग्य मतदाताओं की अंतिम संख्या दावों और आपत्तियों के निपटारे तथा 9 नवंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची पर निर्भर करेगी।

दिसंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में कुल 2,96,036 मतदाताओं में से 1,53,730 वोट (52.34 प्रतिशत) पड़े थे। तब बीआरएस टिकट पर चुनाव लड़ रहे नागेंद्र ने 67,368 वोट हासिल कर कांग्रेस प्रत्याशी पी. विजय रेड्डी को हराया था, जिन्हें 45,358 वोट मिले थे। भाजपा प्रत्याशी चिंतला रामचंद्र रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 38,094 वोट मिले थे।

नागेंद्र की अयोग्यता की अधिसूचना अब चुनाव आयोग के लिए खैरताबाद उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप से शुरू कर देती है।

18 की उम्र जरूरी

सोशल मीडिया अकाउंट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 18 साल से कम उम्र के बच्चों के खातों को लेकर वैधानिक व्यवस्था बनाने पर विचार करने को कहा। अदालत ने कहा कि नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य डिजिटल माध्यमों को करना होगा। भारतीय कानून के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति नाबालिग होते हैं और स्वतंत्र रूप से कानूनी अनुबंध नहीं कर सकते।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए जाने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि यह शर्त केवल दिशानिर्देशों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सूचना प्रौद्योगिकी के मध्यस्थ नियमों के तहत इसे वैधानिक रूप देने पर विचार करने को कहा। अदालत ने केंद्र से यह भी विचार करने को कहा कि नाबालिगों की सुरक्षा से संबंधित प्रा-वधानों को किस तरह कानूनी ढांचे में शामिल किया जा सकता है।

▶8पर

त्रिभाषा नीति

छठी क्लास को भी छूट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तीन-भाषा नीति को लेकर वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि वर्तमान में कक्षा 6 में पढ़ रहे छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों की तरह तीन-भाषा नीति में समान छूट दी जाए। यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2027 से लागू होगी। कोर्ट ने कहा कि अचानक भाषा बदलने की स्थिति में कक्षा 6 के छात्रों को होने वाली परेशानी को देखते हुए उन्हें भी समान राहत दी जानी चाहिए। वर्तमान कक्षा 6 के छात्र तीसरी भाषा पढ़ने की व्यवस्था से जुड़े रहेंगे, लेकिन उन्हें इस भाषा में आगे चलकर सीबीएसई की कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा देने की अनिवार्यता से राहत मिलेगी। उन्हें अपनी मौजूदा दो भाषाओं के साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा लेने की सुविधा भी दी जा सकती है।

पहले केंद्र सरकार ने वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को इस वर्ष से छूट देने का विरोध किया था। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस वर्ष कक्षा 6 को छूट देने के पक्ष में नहीं है और छात्रों को इसी वर्ष से तीसरी भाषा पढ़नी चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के रुख को स्वीकार नहीं किया और कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों के समान राहत देने का निर्देश दिया।

▶8पर

UPI को सुप्रीम झंडी

2000 से अधिक पेमेंट पर चार्ज तय

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा व्यापारी भुगतान वाले यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की केंद्र सरकार की व्यवस्था पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यह नई व्यवस्था 15 अक्टूबर 2026 से लागू होनी है। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम को नोटिस जारी कर इस शुल्क की कानूनी और नीतिगत आधार पर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ ने अधिवक्ता अंजन दत्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में 2,000 रुपये की सीमा तय करने और यूपीआई तथा रुपे कार्ड के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाने पर सवाल उठाया गया है। याचिकाकर्ता ने नई शुल्क व्यवस्था को रद्द करने की मांग की है।

अधिवक्ता अंजन दत्ता ने अपनी जनहित याचिका में सवाल उठाया कि 2,000 रुपये की सीमा ही क्यों तय की गई और यूपीआई तथा रुपे कार्ड के लिए अलग-अलग व्यवस्था क्यों रखी गई। याचिका में दावा किया गया कि सरकार ने पर्याप्त सार्वजनिक चर्चा और स्पष्ट वैधानिक प्रक्रिया के बिना यह शुल्क व्यवस्था लागू की है।

▶8पर

भारत-पाक मिलाप!

सिंदूर के बाद पहला इस्लामाबाद दौरा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच दोनों देशों के प्रतिनिधि सोमवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक में एक साथ शामिल हुए। 28 से 30 सितंबर तक होने वाली इस बैठक में एससीओ के सभी सदस्य देशों के राष्ट्रीय समन्वयक और संगठन के सचिवालय के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। भारत की ओर से राष्ट्रीय समन्वयक आल-ोक डिमरी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. एम. फैसल बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2025 के भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव के बाद भारतीय प्रतिनिधिमंडल की पाकिस्तान में यह पहली एससीओ बैठक में भागीदारी है। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर अक्टूबर 2024 में एससीओ के शासनाध्यक्षों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस्लामाबाद गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद दोनों देश एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर अपनी भागीदारी जारी रखते हैं।

बैठक में एससीओ के तहत सहयोग और समन्वय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। इनमें पाकिस्तान की अध्यक्षता के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा, ▶8पर

2.80 लाख सैलरी, इस्तीफ़ा भारी पड़ा

बॉस ही फ़र्ज़ी!

ग्वालियर/कानपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। किसी बड़ी कंपनी में ऊंचे पद पर नौकरी पाने के लिए अनुभव और वेतन से जुड़े दस्तावेज जमा करना सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां एक शख्स ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे इस प्रक्रिया को पार कर लिया। उसने खुद को एक बड़े समूह का पूर्व कर्मचारी बताया, लाखों रुपये महीने का वेतन पाने का दावा किया और इसी आधार पर एक ऑटोमोबाइल कंपनी में ऊंचे पद पर नौकरी हासिल कर ली।

मामला यहीं नहीं रुका। कंपनी ने उसके काम को देखते हुए उसे समूह उपाध्यक्ष के पद से आगे बढ़ाकर समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (बिक्री पश्चात) की जिम्मेदारी भी सौंप दी। करीब नौ महीने तक वह कंपनी में ऊंचे पद पर काम करता रहा। लेकिन मई 2026 में अचानक उसके इस्तीफे के बाद जब कंपनी ने पूर्ण और अंतिम भुगतान की प्रक्रिया शुरू की, तो उसके दस्तावेजों की दोबारा जांच की गई। यहीं से उस कथित फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ, जिसे उसने नौकरी पाने के समय दस्तावेजों के जरिए तैयार किया था।

2.80 लाख रुपये महीने की सैलरी का दावा

ग्वालियर क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी की पहचान देवेंद्र कुमार दुबे (43), पुत्र रामनरेश दुबे, निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, देवेंद्र कुमार ने 20 अगस्त 2025 को श्रीतुलजा भवानी ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड में समूह उपाध्यक्ष के पद पर नौकरी हासिल की थी। इसके लिए उसने अपने पुराने अनुभव और वेतन से जुड़े दस्तावेज कंपनी के सामने पेश किए। इनमें एक अनुभव प्रमाण पत्र और लैंडमार्क समूह के नाम से तैयार किया गया बैंक विवरण शामिल था। इस बैंक विवरण में उसकी महीने की सैलरी 2 लाख 80 हजार 670 रुपये बताई गई थी। ▶8पर

कावेरी का जलवा!

भारत में फेल-रूस में पास

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के स्वदेशी कावेरी इंजन ने रूस में महत्वपूर्ण परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। कावेरी डेरिवेटिव इंजन ने रूस में अधिक ऊंचाई और उड़ान से जुड़े परीक्षण पूरे करते हुए 48.5 किलो न्यूटन का अधिकतम ड्राई थ्रस्ट हासिल किया है। यह लगभग 46 किलो न्यूटन के निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। यानी इंजन ने तय लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन किया है।

कावेरी वही जेट इंजन है, जिसे एक समय तकनीकी चुनौतियों के कारण असफल परियोजना माना जाने लगा था। अब इसके बेहतर प्रदर्शन को भारत के रक्षा क्षेत्र और स्वदेशी विमान इंजन विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। कावेरी जेट इंजन को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की गैस टर्बाइन अनुसंधान स्थापना ने विकसित किया है। इसे भारत के प्रस्तावित स्टील्थ मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहन घातक को शक्ति देने के लिए तैयार किया गया है। प्रणोदन यानी इंजन की क्षमता के लिहाज से लंबे समय से इस परियोजना के लिए महत्व-पूर्ण प्रगति का इंतजार किया जा रहा था।

क्या परीक्षण किया गया?

इस इंजन को कावेरी डेरिवेटिव इंजन के नाम से जाना जाता है। यह मूल कावेरी इंजन का आफ्टरबर्नर रहित संस्करण है। इसे ऐसे विमानों के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें आफ्टरबर्नर से मिलने वाली अतिरिक्त शक्ति की आवश्यकता नहीं होती। ड्राई थ्रस्ट का मतलब बिना आफ्टरबर्नर के मिलने वाला थ्रस्ट यानी प्रणोदन बल है।

ये परीक्षण रूस के दो प्रमुख संस्थानों में किए गए। पहला सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन मोटर्स (सीआईएएम) और दूसरा ग्रोमोव फ्लाइट रिसर्च इंस्टीट्यूट है। सीआईएएम में इंजन को ऐसी परिस्थितियों में परखा गया, जो अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने जैसी स्थितियों के अनुरूप थीं।

▶8पर

एआई का स्वामित्व : संयुक्त राष्ट्र में अमीर और गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई

न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य और उसके नियंत्रण को लेकर अमीर और गरीब देशों के बीच बड़ा वैचारिक टकराव सामने आया है। विभिन्न देशों ने इस पर गहरी चिंता जाहिर की है कि एआई जैसी क्रांतिकारी तकनीक का नियंत्रण कहीं कुछ मुट्ठी भर देशों, बड़ी कंपनियों या सरकारों तक ही सीमित न रहे, जिससे इंसानों के हाथों से इसका नियंत्रण फिसलने का डर सता रहा है।

भारत ने हर देश के अपने एआई माडल विकसित करने के अधिकार का समर्थन कर कहा है कि एआई लोगों को सशक्त बनाने और आर्थिक खुशहाली लाने में एक बड़ा बदलाव लाने वाली ताकत साबित हो सकता है। हालांकि, विदेश मंत्री जयशंकर ने इसके गलत इस्तेमाल के प्रति आगाह किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल पक्षपात को बढ़ा सकता है और देशों के बीच आपसी सम्मान को कमजोर कर सकता है। भारत ने कहा कि हर देश को अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार अपने एआई माडल तैयार करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

ग्लोबल साउथ के देशों की चिंताओं को उठाकर मलेशिया ने चेतावनी दी कि उन्हें सिर्फ डेटा सेंटर और तकनीकी सुविधाओं के ठिकाने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जबकि एआई से जुड़े बड़े फैसले और नियंत्रण कहीं और मौजूद सरकारों और कंपनियों के हाथों में रहे। मलेशियाई विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन ने स्पष्ट किया कि विकासशील देशों को केवल एआई के ग्राहक और बाजार बनाकर नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि उन्हें नई तकनीक के विकास में बराबर का भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने पानी, बिजली और जमीन जैसे संसाधनों पर पड़ने वाले बोझ का भी जिक्र किया, जिसका मुख्य आर्थिक लाभ अक्सर दूसरे देशों को मिलता है।

जर्मनी ने एआई के मालिकाना हक के कुछ ही जगहों पर केंद्रित होने को लेकर चिंता जाहिर की है। जहां दुनिया के अधिकांश एआई पेटेंट केवल दो बड़े देशों की कंपनियों के पास हैं। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने साझा सुरक्षा नियम तय करने की अपील कर आगाह किया कि एआई की रफ्तार अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के नियम बनाने की गति से कहीं तेज है। बेलीज के प्रधानमंत्री जान ब्रिसेन्यो ने कहा कि अगर सही नियम न हों, तब एआई असमानता बढ़ा सकता है, नौकरियां छीन सकता है और विकासशील देशों को ऐसी तकनीकों पर निर्भर कर सकता है जो कहीं और विकसित हुई हों।

सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने एआई को सबसे जरूरी नई चुनौती बताया और विज्ञान, बुनियादी ढांचे तथा मानव कौशल में निवेश की मांग की, ताकि इंसानों का एआई पर नियंत्रण बना रहे। सऊदी अरब ने एआई क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के नेटवर्क और रियाद में एआई रिसर्च सेंटर स्थापित करने के अपने प्रयासों का उल्लेख किया, जबकि कैमरून ने कहा कि नई तकनीकी प्रगति का लाभ पूरी मानवता को मिलना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

ईरान का दावा - आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका का दूसरा अंडरवाटर ड्रोन पकड़ा

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जासूसी गतिविधियों में लगे अमेरिका के एक और आटोनामस अंडरवाटर व्हीकल (एयूवी) को रोककर जब्त कर लिया है। यह सितंबर के बाद ऐसी दूसरी कार्रवाई बताई जा रही है। ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने बयान में कहा कि उसके बलों ने खुफिया जानकारी और इलेक्ट्रानिक युद्ध क्षमताओं का इस्तेमाल करते हुए एक समन्वित और जटिल आपरेशन के तहत अमेरिकी अंडरवाटर ड्रोन को पकड़ा। आईआरजीसी के अनुसार, यह ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य में निगरानी और जासूसी गतिविधियों में शामिल था। ईरानी बलों ने जब्त किए गए ड्रोन की पहचान रेमस 600 के रूप में की है। यह एक उन्नत आटोनामस अंडरवाटर व्हीकल है, जिसे बिना चालक के समुद्र के भीतर विभिन्न मिशनों के लिए संचालित किया जा सकता है। आईआरजीसी ने कहा कि ड्रोन अब उसके विशेषज्ञों के कब्जे में है और उससे संबंधित जानकारी हासिल करने का काम किया जा रहा है। आईआरजीसी नौसेना ने अपने बयान में यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और वह जलमार्ग में खतरनाक गतिविधियों और बिना अनुमति आवाजाही के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी। इससे पहले सितंबर में आईआरजीसी नौसेना ने दावा किया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास अमेरिका के एक अन्य उन्नत मानवरहित अंडरवाटर व्हीकल को रोका और जब्त किया था। उस सिस्टम की पहचान डाइव-एलडी (डाइव-एलडी) के रूप में की गई थी। आईआरजीसी के मुताबिक, डाइव-एलडी को अमेरिकी रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एंडुरिल इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है और इसे अमेरिकी नौसेना के मानवरहित अंडरसी व्हीकल कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान समुद्र में डूबी पनडुब्बी बनी खतरा

बर्लिन। करीबी 110 साल पहले समुद्र में डूबी जर्मन पनडुब्बी जहरीला टाइम बम बन चुकी है। यह पनडुब्बी अब समुद्री पर्यावरण के लिए खतरा बनती जा रही है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान यह जर्मन पनडुब्बी समुद्र में डूब गई थी। नार्थ सी में मौजूद इस पनडुब्बी के मलबे से टीएनटी जैसे विस्फोटक पदार्थ के रिसाव का पता चला है। वैज्ञानिकों ने पानी, समुद्री तल और वहां रहने वाले जीवों के नमूनों की जांच में टीएनटी के अंश पाए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, जिस धातु के ढांचे में विस्फोटक बंद हैं, वह समुद्री पानी के कारण धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। ऐसे में आने वाले समय में रिसाव बढ़ने की आशंका है। यह मामला जर्मनी की यूसी-30 पनडुब्बी से जुड़ा है। 19 अप्रैल 1917 को इंजन में खराबी के बाद लौट रही यह पनडुब्बी डेनमार्क के रोमो द्वीप के पास एक ब्रिटिश बारूदी सुरंग से टकराकर समुद्र में समा गई थी।

भारी बारिश से नेपाल के चार जिले सड़क संपर्क से कटे, कई प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह बंद

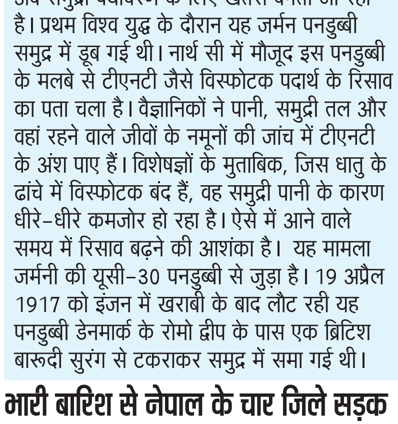

काठमांडू। नेपाल के बागलुंग, म्याग्दी, मुस्तांग और मनांग जिले केंद्रीय सड़क नेटवर्क से कट गए हैं। गत बुधवार से लगातार हो रही भारी बारिश ने इन जिलों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। बागलुंग, म्याग्दी और मुस्तांग और मनांग को प्रदेश राजधानी पोखरा से जोड़ने वाला सिद्धार्थ राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। सड़क विभाग के अनुसार, सिद्धार्थ राजमार्ग के कुश्मा-मालढुंगा खंड में सहस्रधारा के पास करीब 100 मीटर सड़क कालीगंडकी नदी की बाढ़ में बह गई है। इसके कारण तीनों जिले केंद्रीय सड़क नेटवर्क से अलग हो गए हैं। बाढ़ के कारण पर्वत और बागलुंग को जोड़ने वाला मालढुंगा पुल भी क्षतिग्रस्त हुआ है। खास तौर पर पुल के पर्वत की ओर का सड़क हिस्सा बह गया है। इसके साथ ही बागलुंग और पर्वत के बीच सड़क संपर्क भी टूट गया है। इसी तरह, भूस्खलन के कारण बेनी-जोमसोम-कोरला सड़क खंड पूरी तरह बंद है। इससे मुस्तांग का अन्य जिलों से सड़क संपर्क भी टूट गया है।

चीनी जहाजों ने खतरनाक तरीके से रास्ता रोका, चीन-फिलीपींस फिर आमने-सामने

चीन बोला-फिलीपींस उसके समुद्री क्षेत्र में लगातार उकसावे वाली गतिविधियां कर रहा

बीजिंग

दक्षिण चीन सागर में एक बार फिर चीन और फिलीपींस आमने-सामने आ गए हैं। कुछ समय की शांति के बाद यहां पिछले कुछ महीनों में तनाव बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तनाव अब फिलीपींस के आरोपों से बढ़ा है। फिलीपींस का कहना है कि हाल ही में चीनी नौसेना और कोस्ट गार्ड ने उसके नियमित रोटेशन और सप्लाई मिशन को रोक दिया। यह मिशन सेकेंड थामस शोल में मौजूद उसके सैनिकों तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए था। फिलीपींस के मुताबिक चीनी जहाजों ने खतरनाक तरीके से रास्ता रोका, जिसके बाद मिशन को अस्थायी तौर पर रोकना पड़ा। विवाद का केंद्र सेकेंड थामस शोल है। यहां फिलीपींस ने 1999 में अपने पुराने युद्धपोत सिएरा माद्रे को जानबूझकर जमीन पर उतार दिया था।

फिलीपींस इसी जहाज पर अपने सैनिक रखता है और समय-समय पर वहां सैनिकों और सामान की सप्लाई करता है। चीन इस इलाके पर अपना दावा करता है और फिलीपींस की मौजूदगी का विरोध करता है। इसी वजह से दोनों देशों के जहाज आमने-सामने आते रहे हैं। जुलाई में भी यहां दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई थी। चीनी और फिलीपीनी जवानों के बीच लाठी और डंडों से मारपीट तक हुई थी और एक फिलीपीनी सैनिक घायल हुआ था। इसके बाद सितंबर में भी दोनों देशों के जहाजों के बीच टकराव की घटनाएं सामने आई हैं।

फिलीपींस ने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम खरीदा है। 2022 में करीब 37.5 करोड़ डालर का सौदा हुआ था और 2024 में पहली खेप फिलीपींस पहुंची। इस मिसाइल की अधिकतम रेंज करीब 290 किलोमीटर बताई जाती है। अब फिलीपींस की मरीन कोर अपने तटीय रक्षा ढांचे में ब्रह्मोस को शामिल कर रही है। सितंबर में अमेरिकी और फिलीपीनी मरीन ने ऐसे अभ्यास भी किए जिनमें ब्रह्मोस जैसे तटीय एंटी-शिप सिस्टम के इस्तेमाल की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया।

अमेरिका और चीन के बीच 30 अरब डालर की ऐतिहासिक ट्रेड डील, खिलौनों से लेकर कृषि उत्पादों तक पर हुआ बड़ा समझौता

वाशिंगटन। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव को कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वाइट हाउस में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद, दोनों देशों ने करीब 30 अरब डालर के सामान पर टैरिफ लगाने और भविष्य की आर्थिक वार्ताओं के लिए एक संयुक्त ट्रेड काउंसिल के गठन पर सहमति जाहिर की गई है। यह समझौता चीनी राष्ट्रपति के 2015 के बाद पहले वाशिंगटन दौरे के दौरान संपन्न हुआ। वाइट हाउस के मुताबिक, इस नई व्यापारिक व्यवस्था के तहत अमेरिका से चीन को निर्यात होने वाले कृषि उत्पादों, लकड़ी और कास्मेटिक्स को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर, चीन से आने वाले छोटे उपकरणों, खिलौनों और सजावट के सामान पर अधिक अनुकूल टैरिफ दरें तय की गई हैं। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्काट बेसेंट ने स्पष्ट किया कि इस अंतरिम समझौते से दोनों देशों को भविष्य में एक व्यापक और बड़े व्यापारिक समझौते पर काम करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। व्यापार के अलावा, दोनों महाशक्तियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मोर्चे पर भी सहयोग बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। दोनों नेता इस बात पर राजी हुए कि वे एआई से जुड़ी संभावनाओं और उसके संभावित जोखिमों पर नियमित चर्चा करने वाले है। दिलचस्प बात यह है कि इस बैठक के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जगह सुपर इंटेलिजेंस शब्द के इस्तेमाल पर सहमति बनी, जिसका चीन ने खुलकर स्वागत किया है। कूटनीतिक स्तर पर दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर मनमाने ट्रांजिट टोल न लगाए जाने और आगामी वैश्विक शिखरों में एक-दूसरे का सहयोग करने की भी प्रतिबद्धता जाहिर की है। गौरतलब है कि साल 2018 से दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा, बौद्धिक संपदा और एकतरफा शुल्कों को लेकर लंबा ट्रेड वार चल रहा था। इस दौरान दोनों तरफ से कई बार जवाबी टैरिफ और निर्यात नियंत्रण के उपाय अपनाए गए थे।

ईरान अमेरिका से युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार, लेकिन कूटनीति का रास्ता भी खुला : अरागची

तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ दोबारा युद्ध की स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही वह कूटनीति के जरिए तनाव कम करने की कोशिश भी जारी रखे हुए है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

के मुताबिक, अमेरिकी न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान किसी भी नए अमेरिकी हमले का मजबूती से सामना करने के लिए तैयार है, चाहे स्थिति कितने ही गंभीर संघर्ष में क्यों न बदल जाए। उन्होंने साथ ही कहा कि ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए भी तैयार है और अब फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करना है।

अब्बास अरागची की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है, जिनमें दावा किया गया है कि ट्रंप अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, अरागची ने कहा कि ईरान के लिए अमेरिकी चुनावों से अधिक उसके अपने राष्ट्रीय हित महत्वपूर्ण हैं। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इस सप्ताह न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान बैठकों और मीडिया इंटरव्यू के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप की ओर से आने वाले संदेश विरोधाभासी रहे हैं। अरागची के अनुसार, ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ईरान के प्रस्ताव को खारिज करने की बात कही है, लेकिन मध्यस्थों के जरिए तेहरान को इस फैसले की कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है।

अब्बास अरागची ने कहा कि युद्ध समाप्त करने वाले किसी समझौते के तहत ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए तैयार है। इसके बदले तेहरान अपने फ्रीज किए गए फंड और संपत्तियों को जारी करने तथा अपने तेल की बिक्री की अनुमति चाहता है। ईरान की ये मांगें नई नहीं हैं और उनके अनुसार ये अमेरिका की पिछली प्रतिबद्धताओं का हिस्सा रही हैं। उन्होंने जून में दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन का भी उल्लेख किया, जिसमें अस्थायी युद्धविराम की योजना का जिक्र था।

84 रहस्यमयी खगोलीय पिंडों का पता लगाया वैज्ञानिकों ने

वाशिंगटन। खगोल वैज्ञानिकों ने ऐसे 84 रहस्यमयी खगोलीय पिंडों का पता लगाया है, जो अब तक नजरों से लगभग छिपे हुए थे। यह खगोलिय पिंड रात के अंधेरे आसमान में दिखाई देने वाले तारों के बीच में पाए गये हैं। अंतरिक्ष एजेंसी नासा की चंद्रा एक्स-रे वेधशाला के पुराने आंकड़ों के विश्लेषण में सामने आए इन पिंडों को वैज्ञानिकों ने हाइपरसाफ्ट एक्स-रे सोर्स नाम दिया है। इनमें से कुछ वस्तुएं सूर्य की तुलना में लाखों गुना अधिक ऊर्जा उत्सर्जित कर सकती हैं। इस खोज से वैज्ञानिकों को तारों के विकास और ब्रह्मांड में होने वाली बेहद शक्तिशाली घटनाओं को समझने के लिए नई जानकारी मिलने की उम्मीद है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन पिंडों से निकलने वाले विकिरण का बड़ा हिस्सा एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट यानी अत्यधिक पराबैंगनी प्रकाश के रूप में होता है। अंतरिक्ष में मौजूद गैस इस तरह के प्रकाश को बड़ी मात्रा में अवशोषित कर लेती है। यही कारण है कि इन वस्तुओं से निकलने वाला अधिकांश विकिरण पृथ्वी तक सीधे नहीं पहुंच पाता। चंद्रा वेधशाला केवल वह कमजोर एक्स-रे विकिरण पकड़ पाती है, जो गैस की परतों को पार करके बाहर निकलता है। इन पिंडों की पहचान के बाद वैज्ञानिकों ने यह जांचने की कोशिश की कि कहीं ये दूरबीन के उपकरणों में पैदा हुई कोई तकनीकी त्रुटि तो नहीं हैं।

भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल में कई जलविद्युत परियोजनाओं का उत्पादन बंद

काठमांडू

नेपाल में लगातार हो रही बारिश, तेज हवाओं और बाढ़-भूस्खलन के कारण पश्चिमी हिस्से में ऊर्जा संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते बिजली उत्पादन से लेकर प्रसारण और वितरण तक की व्यवस्था प्रभावित हुई है। गंडकी, लुंबिनी और कर्णाली प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के प्रवक्ता राजन ढकाल ने बताया कि, कालीगंडकी कारिडोर की 220 केवी प्रसारण लाइन के तहत म्याग्दी के दाना से पर्वत के कुश्मा तक के खंड में टावर नंबर 21 और 22 क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसी तरह कालीगंडकी कारिडोर के कुश्मा-नया बुटवल खंड की प्रसारण लाइन में भी फाल्ट आया है। इसके कारण इस कारिडोर की प्रसारण लाइन से जुड़े करीब 200 मेगावाट बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है।

बाढ़ के कारण कई प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं में बिजली उत्पादन बंद हो गया है। इनमें 140 मेगावाट की कालीगंडकी, 25 मेगावाट की अपर मादी, 44 मेगावाट की सुपर मादी, 20 मेगावाट की नामार्जुन मादी, 40 मेगावाट की सेती नदी, 25 मेगावाट की अपर दोर्दी, 50 मेगावाट की अपर मर्स्याङ्दी, 70 मेगावाट की मध्य मर्स्याङ्दी और 69 मेगावाट की मर्स्याङ्दी जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। मोदी समेत अन्य परियोजनाओं का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है।

इसके अलावा, राहुघाट जलविद्युत परियोजना के टेलरेस में भी क्षति पहुंची है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, प्रसारण और वितरण लाइनों को नुकसान पहुंचने के कारण बिजली उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाओं में संभावित नुकसान को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर उत्पादन बंद किया गया है। स्थिति सामान्य होते ही परियोजनाओं को फिर से संचालन में लाया जाएगा। बाढ़ और भूस्खलन के कारण 220 केवी, 132 केवी, 33 केवी और 11 केवी की प्रसारण एवं वितरण संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। प्राधिकरण के अनुसार, नुकसान का प्रारंभिक विवरण जुटाने, बिजली आपूर्ति बाधित क्षेत्रों की पहचान करने, वैकल्पिक माध्यम से बिजली आपूर्ति शुरू करने और क्षतिग्रस्त संरचनाओं की तत्काल मरम्मत के लिए तकनीकी एवं मरम्मत टीमों को विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है।

अफगानिस्तान का दावा- नूरिस्तान में 28 लड़ाके ढेर, पाकिस्तान पर घुसपैठ में मदद का आरोप

काबुल

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि नूरिस्तान प्रांत में उसके सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 28 लड़ाके मारे गए और 32 घायल हुए। मंत्रालय के अनुसार, यह कार्रवाई पाकिस्तान से आए एक हथियारबंद समूह की सीमा पार घुसपैठ के बाद हुई। अफगान पक्ष ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी मिलिशिया ने घुसपैठ में मदद की थी।

बलूचिस्तान की आनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, अफगान रक्षा मंत्रालय ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी मदद का हवाला देकर अफगान सेना के पूर्व सैनिकों की भर्ती करती है, उन्हें प्रशिक्षण देती है और बाद में नूरिस्तान की ओर भेजती है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इससे एक दिन पहले, शनिवार को अफगान अधिकारियों ने कहा था कि सीमा सुरक्षा बलों ने

कामदेश जिले में डूरंड लाइन के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए 10 लड़ाकों को मार गिराया और छह को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि अफगानिस्तान फ्रीडम फ्रंट (एएफएफ) के कुछ सदस्य इस्लामिक स्टेट के साथ मिलकर काम कर रहे थे।

हालांकि, एएफएफ ने इन घटनाओं का अलग विवरण दिया। संगठन के अनुसार, तालिबान बलों ने ड्रोन के जरिए उसके ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद उसके लड़ाकों ने जवाबी कार्रवाई की और कई चेकपोस्ट पर कब्जा कर लिया। एएफएफ ने दावा किया कि तालिबान बल अरंडू और कामदेश के कुछ हिस्सों से पीछे हटकर पड़ोसी कुनार प्रांत के नारी जिले की ओर चले गए।

लड़ाई के बाद सामने आए कुछ वीडियो में हिरासत में लिए गए लोगों ने कथित तौर पर बताया कि उन्हें ईरान से पाकिस्तान के चित्राल ले जाया गया था, जहां उन्हें पाकिस्तानी सैन्य शिविरों में प्रशिक्षण दिया गया। इन बयानों की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

यह घटनाक्रम पाकिस्तान द्वारा 21 सितंबर को अफगानिस्तान के भीतर किए गए हवाई हमलों के कुछ दिनों बाद सामने आया है। पाकिस्तान ने उन हमलों में 28 उग्रवादियों को मारने का दावा किया था। वहीं, अफगान अधिकारियों के अनुसार, हमलों में तीन नागरिकों की मौत हुई थी। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएमए) ने एक पुरुष, एक महिला और एक लड़की की मौत की पुष्टि की थी।

कोरवाई समुदाय अपने ट्री हाउस बनाते हैं 10 से 50 मीटर तक ऊंचाई पर

जकार्ता। इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत के घने जंगलों में रहने वाली कोरवाई जनजाति अपनी अनोखी जीवनशैली के लिए जानी जाती है। कोरवाई समुदाय के पारंपरिक ट्री हाउस जमीन से काफी ऊंचाई पर बनाए जाते हैं। इस समुदाय के पेड़ों पर बनाए गए घर लोगों का खास ध्यान आकर्षित करते हैं। जंगल के बीच ऊंचे पेड़ों पर बने ये मकान दूर से देखने पर किसी अलग ही दुनिया का हिस्सा नजर आते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ घर करीब 10 से 50 मीटर तक की ऊंचाई पर स्थित होते हैं। इन घरों तक पहुंचने के लिए पेड़ के तने या लकड़ी से तैयार सीढ़ियों का इस्तेमाल किया जाता है। घने जंगलों के बीच इतनी ऊंचाई पर घर बनाना अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण काम है। इन घरों के निर्माण में आसपास के जंगल से मिलने वाली प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। लकड़ी, पत्तियों और पेड़ों से मिलने वाली दूसरी सामग्री की मदद से घर तैयार किए जाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद इन्हें इस तरह बनाया जाता है कि समुदाय के लोग उनमें रह सकें और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर सकें। पेड़ों पर घर बनाने के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। घने जंगलों में जमीन से काफी ऊपर रहना जंगली जानवरों और अन्य संभावित खतरों से बचाव का एक तरीका माना जाता है। ऊंचाई पर बने घरों से आसपास के क्षेत्र पर नजर रखना भी आसान हो सकता है। हालांकि, कोरवाई समुदाय के घरों और उनकी जीवनशैली को लेकर अलग-अलग रिपोर्टों में अलग-अलग विवरण मिलते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली कई तस्वीरों और वीडियो के दावों की स्वतंत्र पुष्टि भी हमेशा नहीं हो पाती। कोरवाई समुदाय का पारंपरिक जीवन जंगल और प्राकृतिक वातावरण से गहराई से जुड़ा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्रोत बढ़ेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं । कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। अगर स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखना हैं तो डिनर मे कुछ हल्का और सुपाच्य भोजन लेना होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय-धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं । व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भा-गदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद-विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद-विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं । व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा । कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं । सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी-मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए , दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे । सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा । अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगडेंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा , दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे-संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 सितंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 05:11 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 09:04 तक
योग : व्याघात प्रातः 06:11 तक
करण : वणिज प्रातः 06:15 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : तृतीया श्राद्ध , अंगारक संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 07:53 से , भद्रा प्रातः 06:15 से सायं 05:11 तक , गण्डमूल प्रातः 09:04 तक , अमृत सिद्धि योग प्रातः 09:04 तक , भरणी श्राद्ध

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री कोरा जैन श्रावक संघ में धार्मिक अंताक्षरी उत्साहपूर्वक संपन्न

25 टीमों ने लिया भाग, नीलम शेट्टी की टीम प्रथम

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, कोरा, सिक विलेज, सिकंदराबाद के तत्वावधान में श्रमण संघीय आचार्य, ज्ञानयोगी, ध्यानयोगी परम पूज्य डॉ. श्री शिव मुनि जी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी, अध्यात्मयोगिनी एवं प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी परम पूज्य अर्चनाश्रीजी म.सा. मीरा की सुशिष्याएँ आयंबिल आराधिका, कर्नाटक तप चंद्रिका महासाध्वी पूज्य आगमश्रीजी म.सा., सेवाभावी एवं मधुर गायिका महासाध्वी पूज्य धैर्यश्रीजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सानिध्य में धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।

संघ के मंत्री श्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक अंताक्षरी में कुल 25 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में चार सदस्य थे। त्रयनगर महिला मंडल, बालिका मंडल सहित विभिन्न मंडलों की महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। धार्मिक अंताक्षरी का सफल एवं रोचक संचालन श्री संतोष कोठारी ने किया। प्रतियोगिता को रोमांचक बनाने के लिए कुल छह चरण आयोजित किए गए।

प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती मीनल जिनेश जैन ने अपनी भूमिका निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से निभाई। प्रतियोगिता के अंत में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों की घोषणा की गई। प्रथम स्थान नीलम शेट्टी, संगीता नाबेडा, प्रेमाबाई छाजेड़ एवं शिल्पा जैन की टीम ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान अर्चना मखाना, संतोष गोलिया, शीतल रांका एवं निर्मला रामपुरिया की टीम ने तथा तृतीय स्थान कोमल गादिया, सपना कोठारी, किरण सिंघी एवं अंकिता गांधी की टीम ने प्राप्त किया। विजेता टीमों को कप एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली अन्य सभी टीमों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए संयोजक श्री अनिल तातेड द्वारा सभी 25 टीमों को तीर्थंकरों के नाम एवं क्रमांक प्रदान किए गए थे। प्रत्येक टीम के लिए संबंधित तीर्थंकर के विषय पर वीडियो क्लिप प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। सर्वश्रेष्ठ वीडियो क्लिप प्रस्तुत करने वाली संभवनाथ ग्रुप एवं पद्मप्रभु ग्रुप को चांदी के सिक्कों से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बेस्ट एंट्री का पुरस्कार पार्श्वनाथ ग्रुप तथा बेस्ट ड्रेसिंग का पुरस्कार अभिनंदन ग्रुप को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के संपूर्ण लाभार्थी श्री बिरदीचंदजी, श्री यशपालजी एवं श्री अंकुशजी लुणावत परिवार, कामारेड्डी वाले रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री उमेश बागरेचा अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के लाभार्थी श्री विजय सुर-ाणा, भाजपा तेलंगाना कोषाध्यक्ष रहे। सभी टीमों के स्वागत, खंडवा एवं तिलक की व्यवस्था का लाभ वर्धमान महिला मंडल द्वारा लिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री संघ के कोषाध्यक्ष श्री नरेंद्र मंडोत, वर्धमान महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रेखा कटारिया, महामंत्री श्रीमती मंजुला संचेती, कोषाध्यक्ष श्रीमती नंदा तातेड, श्रीमती ममता कटारिया सहित संपूर्ण महिला मंडल की टीम तथा श्री आनंद जैन युवा मंडल का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के संयोजक श्री अनिल तातेड का श्री संघ की ओर से शॉल-माला द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने सभी साध्वी भगवंतों, अतिथियों, प्रतिभागियों, दानदाताओं एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह कार्यक्रम ऐतिहासिक एवं सफल रहा। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार सभी का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहे, ऐसी भावना व्यक्त की।

पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, उत्साह एवं धार्मिक भावना का सुंदर वातावरण बना रहा। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जैन धर्म, तीर्थंकरों, स्तवनों एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़े ज्ञान को मनोरंजन एवं प्रतियोगिता के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात सभी श्रद्धालुओं एवं प्रतिभागियों के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी की गई।

केबीआर पार्क पर नियमित अन्नसेवा

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा कार्य करते हुए जरूरतमंदों को अन्न प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में मानवता और अपनत्व की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

सेवा कार्य किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

भंवरलाल गुप्ता ने कहा कि सेवा के लिए मन में समर्पण और सहयोग की भावना होना जरूरी है। जब समाज के लोग मिलकर सेवा के कार्यों में सहभागी बनते हैं तो उसका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचता है और सेवा की भावना को भी विस्तार मिलता है।

जयप्रकाश सारडा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की ओर से नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों का उद्देश्य मानव सेवा के साथ समाज में सेवा और संस्कार की भावना को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा से बढ़कर कोई दूसरा पुण्य कार्य नहीं है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहयोग किया और नियमित अन्न-सेवा को सफल बनाया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन के तत्वावधान में विगत 30 वर्षों से नियमित रूप से गणेश विसर्जन के अवसर पर पधारे भक्तों के लिए प्रसाद एवं पेयजल की व्यवस्था की जा रही है।
इसी क्रम में इस वर्ष 24 सितंबर 2026 की रात 1 बजे से एल.बी. स्टेडियम के पास भव्य पंडाल में प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जो 25 सितंबर 2026, शुक्रवार की अर्धरात्रि तक जारी रही। यहां सैकड़ों भक्तों ने बड़े ही चाव से प्रसाद ग्रहण किया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं का सहयोग रहा। विशेष रूप से युवाओं ने आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री गणेश विसर्जन के पावन अवसर पर हैदराबाद फैंसी लाइट एसोसिएशन, न्यू उस्मानगंज द्वारा फैंसी लाइट के पंडाल पर अन्नप्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरी-आलू की सब्जी, बिरयानी, कोल्ड ड्रिंक, चाय, चॉकलेट व बिस्कुट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जयपाल सिंह यादव, भगवान दास गुप्ता, रामानुज अग्रवाल, विशाल गुप्ता, राकेश तेली, रमाकांत गुप्ता, विमल गुप्ता, नीलम गुप्ता, विकास गुप्ता, संतोष अग्रवाल, उर्मिला गुप्ता, पिंकी गुप्ता, श्याम, कृष गुप्ता सहित संगठन के सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग किया। आयोजकों ने सभी सदस्यों के सहयोग, आशीर्वाद और सहभागिता के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

पुणे में 'संजय सी गणेश मंडल' के 56वें स्थापना वर्ष के पावन अवसर पर गणेश पूजन एवं श्रीसत्यनारायण महापूजा का धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल परिवार के सदस्यों ने विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश एवं भगवान श्रीसत्यनारायणजी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान स्वर्णिमा सिद्धांत चोरड़िया, सिद्धांत संजय चोरड़िया, गुरुजी लोहेगांवकर, प्रो. डॉ. संजय बी. चोरड़िया, श्रीमती सुषमा संजय चोरड़िया, स्नेहल अंकित नवलखा, डॉ. कोलते, मास्टर अरहान अंकित नवलखा एवं मास्टर अवी अंकित नवलखा एक साथ उपस्थित रहे तथा पूजा-अनुष्ठान में भाग लिया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सिखवाल समाज, सिकंदराबाद में श्री गणेशजी महाराज का विसर्जन समारोह श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समाज के सदस्यों ने विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी।

अनंत चतुर्दशी पर धार्मिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर विप्र फाउंडेशन तेलंगाना के अध्यक्ष एवं सिखवाल समाज तथा आरजीए के पूर्व अध्यक्ष हरिकिशन ओझा परिवार की ओर से श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना, हैदराबाद में भगवान अनंत की पूजा, कथा एवं प्रसाद का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज के बंधु, परिवारजन एवं मित्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में सेवाराम जी बापजी का स्वागत किया गया। धार्मिक अनुष्ठान एवं अन्य कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न हुए।

आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज की प्रेरणा से कम उम्र में ही वैराग्य की राह पर बढ़ीं दो सगी बहनें

लौकिक जीवन के सपनों को त्याग मोक्षमार्ग को बनाया जीवन का लक्ष्य, कठिन साधना और संयम से दे रही हैं प्रेरणा

संत धरती पर उस सुवासित फूल की तरह होते हैं, जिनकी संगति में आकर भक्तों का जीवन भी महकने लगता है। ऐसी ही दो साध्वियां हैं आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज की शिष्याएं **पूजनीय आर्यिका 105 परीक्षा श्री माताजी और आर्यिका 105 प्रेक्षा श्री माताजी**। दोनों का वर्ष 2026 का चातुर्मास सरोवर जिनालय दिगंबर जैन मंदिर में चल रहा है। उनके सान्निध्य में सैकड़ों श्रद्धालु जिनवाणी रूपी अमृत का पान कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के इटावा शहर में पिता सुभाष चंद्र जैन और माता सुनीता जैन के परिवार में जन्मी इन दोनों सगी बहनों ने बहुत कम उम्र में ही कठिनतम दिगंबर परंपरा के उस मार्ग पर अपने कदम बढ़ा दिए, जो तलवार की धार के समान कठिन माना जाता है। दोनों का सपना लौकिक विवाह करना नहीं, बल्कि मोक्ष रूपी वर को चुनना था।ब्रह्मचारिणी अवस्था में आर्यिका प्रेक्षा श्री माताजी पर बड़ा उपसर्ग भी आया। संघ के साथ विहार करते समय पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि पूरी तरह स्वस्थ होने में उन्हें कई महीने लगे। इसके बावजूद दोनों बहनों का मन इस मार्ग पर चलने से विचलित नहीं हुआ।

जहां वयस्क होने की दहलीज पर पहुंच रही युवा लड़कियां अपने भविष्य

को लेकर खूबसूरत सपने बुन रही होती हैं, वहीं पूजनीय आर्यिका परीक्षा श्री माताजी ने मात्र 20 वर्ष की आयु में और आर्यिका प्रेक्षा श्री माताजी ने 22 वर्ष की अवस्था में क्षुल्लिका दीक्षा ग्रहण की। इसके मात्र तीन वर्ष बाद सम्मेद शिखरजी की पवित्र धरती पर सैकड़ों दिगंबर संतों की उपस्थिति में दोनों ने आर्यिका दीक्षा ग्रहण कर स्त्री पर्याय की उत्कृष्ट अवस्था को प्राप्त किया।

दोनों साध्वियों ने अपने दादा गुरुदेव के पूरे संघ में सबसे पहले और सबसे कम उम्र में आर्यिका बनने का सौभाग्य प्राप्त किया है।

बचपन में अल्हड़ थीं, मंदिर जाने के लिए भी रखती थीं शर्त

हालांकि बचपन में ये दोनों बहनें भी शिवानी और नेहा (गृहस्थ नाम) दूसरी बच्चियों की तरह अल्हड़ थीं। खेलना-कूदना और रात को दस बजे भी अभक्ष्य चीजें खा लेना ही उनके लिए जीवन का हिस्सा था। मंदिर में जिनेंद्र प्रभु के दर्शन के लिए भी वे अपने दादाजी से पैसे मिलने की शर्त पर ही जाती थीं।

तब शायद ही किसी ने सोचा था कि एक दिन ये दोनों बहनें साधना के इस वीतरागी मार्ग को अंगीकार करेंगी, लेकिन होनी को शायद यही मंजूर था।

2011 में आचार्य श्री के सान्निध्य से मजबूत हुए संस्कार

इन नन्ही बालिकाओं के संस्कारों को बल तब मिला, जब वर्ष 2011 में मुनि श्री 108 प्रमुख सागर महाराज उनके शहर इटावा में चातुर्मास के लिए आए। उन्होंने समाज के बच्चों को जैन संस्कार देने के उद्देश्य से धार्मिक कक्षाएं लगानी शुरू कीं।

आचार्य श्री के सहज-सरल व्यक्तित्व से प्रभावित होकर दोनों बहनें स्कूल की

छुट्टियों में अपने परिवार के साथ आचार्य श्री का विहार कराने के लिए जाने लगीं। वर्ष 2019 तक जहां भी गुरुदेव का चातुर्मास हुआ, दोनों बहनें वहां जाती रहीं। इस दौरान उनके धार्मिक संस्कार निरंतर प्रबल होते गए। हालांकि उनके संकल्पित व्रतों को देखकर परिवार ने भी इसकी मंजूरी दे दी।

इनके सांसारिक जीवन के परिवार में छह बहनें और एक भाई हैं। तीन बहनें विवाह कर गृहस्थ जीवन में हैं, जबकि एक बड़ी बहन ने भी इन्हीं के साथ

वर्ष 2019 में चेन्नई में दोनों ने पूरी तरह आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ले लिया और दीक्षा की भावना रखी। परिवार के लिए भी यह बेहद मुश्किल समय था, क्योंकि घर की तीन-तीन बेटियां, जिनमें एक और बड़ी बहन भी शामिल थी, गृहत्याग करने जा रही थीं। दीक्षा लेकर प्रतिज्ञा श्री माताजी के रूप में संघ में स्थान पाया है। वहीं इनके नानाजी भी प्रतिमाधारी क्षुल्लक पुकार सागर महाराज जी थे।

शुरुआती जीवन में इनके नाना के संस्कारों का प्रभाव भी दोनों बहनों पर पड़ा।

देश के कई राज्यों में किया चातुर्मास

वैराग्य जीवन के इन कुछ वर्षों में दोनों ने हजारों किलोमीटर की पदयात्रा की है। उन्होंने मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित देश के अलग-अलग राज्यों में चातुर्मास कर हजारों श्रावकों को जैन संस्कारों से सिंचित किया है। हैदराबाद, तेलंगाना की धरती पर यह उनका सातवां चातुर्मास है।

कठिन व्रत और साधना से सुदृढ़ कर रहीं संयम जीवन

दोनों माताजियां संयम जीवन के इन वर्षों में सिर्फ एक बार आहार-पानी लेती हैं। इनके अलावा आर्यिका परीक्षा श्री माताजी ने अब तक दस लक्षण व्रत और पंचमेरु जैसे व्रत किए हैं। वहीं आर्यिका प्रेक्षा श्री माताजी ने तत्त्वार्थ सूत्र व्रत, जिन सहस्रनाम व्रत और सोलहकारण के कठोर व्रत कर अपनी साधना को सुदृढ़ किया है।वहीं इनके चारित्र शुद्धि के 1234 व्रत और कल्याण मंदिर स्त्रोत के व्रत अभी चल रहे हैं। नवरात्रि में विशेष साधना करते हुए दोनों नौ दिन तक मौन रखती हैं। इस तरह दोनों साध्वियां अपने गुरुदेव के आशीर्वाद और अपनी कठिन साधना से इस तपस्वी जीवन को सुंदर बना रही हैं तथा श्रद्धालुओं को संयम, त्याग और वैराग्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रही हैं।

-स्वाती जैन
हैदराबाद

सफलता का रहस्य

एक जिज्ञासु व्यक्ति एक प्रसिद्ध चित्रकार व शिल्पकार से मिलने गया। उसने शिल्पकार की कला की खूब सराहना की और उससे पूछा, च्मैं जानने आया हूं कि इस कला में आप इतने निष्णात कैसे हैं। मैं यह रहस्य जानना चाहता हूं। कोई तो ऐसा सिद्धांत या दर्शन होगा, जो आपको यह अनूठा काम करने के लिए प्रेरित करता होगा। शिल्पकार ने कहा, अगर तुम सचमुच जानना चाहते हो, तो तुम्हें कुछ समय यहीं रुकना पडेगा और जो मैं कहूं वह करना पडेगा। शिल्पकार ने उसे घर का काम करने में लगा दिया- सफाई करना, खाना बनाना, कपडे धोना इत्यादि काम वह चुपचाप हफ्ते भर तक करता रहा। एक हफ्ते बाद चित्रकार उसके पास आया और बोला, च्मुझे लगता है, जो प्रश्न लेकर तुम आए थे, उसका उत्तर मिल गया होगा और शायद मेरा वह दर्शन भी तुम सीख गए होगे। वह व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बोला, च्महोदय, इतने दिनों तक मैं आपके कहने पर यहां रुका रहा और बिना कुछ कहे सारा काम करता रहा, लेकिन मेरी इन कामों में रुचि नहीं है, मुझे तो आपकी कला के बारे में जानना था, जो आपने अभी तक नहीं बताया। शिल्पकार ने कहा, च्तुमने हर काम एक शब्द बोले बिना दत्तचित्त होकर किया न यही तो मेरी कला और सफलता का रहस्य है। मैं तुम्हें यही बताना चाहता था।

कथा मर्म : जो व्यक्ति काम को दत्तचित्त होकर चुपचाप करता है, उसे सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।

रविवार को सूर्यदेव को इस तरह प्रसन्न करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर,
दिवाकर नमस्तुभ्यं, प्रभाकर नमोस्तुते।
सप्ताश्वरथमारूढं प्रचंडं कश्यपात्मजम,
श्वेतपद्मधरं देव तं सूर्यप्रणाम्यहम्म।

सूर्य को सभी ग्रहों का अधिपति माना जाता है। रविवार के दिन सूर्य की आराधना करने से इंसान के सभी कष्ट दूर हो जाते है। हिंदू धर्म के अनुसार रविवार को सूर्य का वार माना गया है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को धन-धान्य और राजयोग की प्राप्ति होती है। ऐसे में रविवार को सूर्यदेव की आराधना करने से निम्न फलों की प्राप्ति होती है इस दिन सूर्य के निमित्त दान-पुण्य करने से बडे से बडा अशुभ योग भी टल जाता है। अगर किसी की कुंडली में गरीबी, निर्धनता का योग हो तो उस व्यक्ति को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। रविवार को सूर्य की विशेष आराधना करने से भाग्य में राजयोग का निर्माण होता है। अगर किसी ने आपके व्यवसाय में टोटका कर दिया है तो उसे दूर करने के लिए रविवार के दिन दोपहर में पांच नींबू काटकर व्यापारिक प्रतिष्ठान में रख दें। इसके साथ एक मुट्ठी काली मिर्च और एक मुट्ठी पीली सरसों रख दें। अगले दिन सुबह दुकान खोलने के बाद इन सभी सामानों को उठाकर किसी सूनसान स्थान पर ले जाकर रख आएं। सभी ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय यदि केवल सूर्य की ही आराधना की जाए और नियमित रूप से सूर्य देव को जल चढाया जाए तो आपका भाग्योदय होने से कोई नहीं रोक सकता है।

अगर आप नियमित रूप से सूर्यदेव को जल अर्पित नहीं कर पाते हैं तो रविवार के दिन सूर्यदेव को जल चढा सकते हैं। रविवार का दिन सूर्य देव को बहुत प्रिय है और रविवार को सूर्यवार भी माना जाता है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से रविवार के दिन सूर्यदेव को जल अर्पित करते हैं तो इसका उतना ही फल मिलता है जितना की प्रत्येक दिन जल चढाने से मिलता है। वहीं जब सूर्य पूर्व दिशा में हो तभी जल चढाना चाहिए क्योंकि पूर्व दिशा को सूर्यदेव के उदय का मार्ग कहा जाता है जो स्वयं शक्ति और जीवन के प्रतीक माने जाते हैं। जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर चल रहा हो या अन्य किसी ग्रह की प्रतिकूलता चल रही हो अथवा कोई सरकारी कामकाज अटका हुआ हो, कार्यस्थल पर अधिकारियों से अनबन चल रही हो अथवा व्यापार सही नहीं चल रहा हो। उन सभी को प्रतिदिन सूर्य को जल चढाने से तुरंत लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त जिन्हें जेल जाने या नौकरी छूटने का डर हो, उन्हें भी सूर्याराधना तुरंत लाभ देती है। सूर्य को जल चढाने के लिए सदैव तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। तांबा भी सूर्य की ही धातु है। जल में चावल, रोली, फूल पत्तियां आदि डाल लेने चाहिए। इसके बाद जल चढाते समय गायत्री मंत्र का जाप करें। गायत्री मंत्र के अतिरिक्त आप भगवान सूर्य के 12 नामों का भी जाप कर सकते हैं ये 12 नाम निम्न प्रकार हैं- सूर्य को अर्ध्य देते समय पानी की जो धारा जमीन पर गिर रही है, उस धारा से सूर्य को देखना चाहिए, इससे आंखों की रोशनी तेज होती है। अर्ध्य देने के बाद जमीन पर गिरे पानी से चरणामृत का पान करें तथा अपने मस्तक पर लगाएं। साथ ही आप सूर्यदेव को अपनी मनोकामना बताएं तथा उनसे इच्छापूर्ति का वरदान देने की प्रार्थना करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।

शिव प्रतिमा होती है आठ तरह की

हिन्दू धर्म में मान्यता है की भगवान शिव इस संसार में आठ रूपों में समाए है जो है शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव। इसी आधार पर धर्मग्रंथों में शिव जी की मूर्तियों को भी आठ प्रकार का बताया गया है । आईए भगवान शिव के इन आठ मूर्ति स्वरुप के बारे में थोडा विस्तार से जानते है।

1. शर्व :- पूरे जगत को धारण करने वाली पृथ्वीमयी मूर्ति के स्वामी शर्व है, इसलिए इसे शिव की शार्वी प्रतिमा भी कहते हैं। सांसारिक नजरिए से शर्व नाम का अर्थ और शुभ प्रभाव भक्तों के हर को कष्टों को हरने वाला बताया गया है।

2. भीम : - शिव की आकाशरूपी मूर्ति है, जो बुरे और तामसी गुणों का नाश कर जगत को राहत देने वाली मानी जाती है। इसके स्वामी भीम है। यह भैमी नाम से प्रसिद्ध है। भीम नाम का अर्थ भयंकर रूप वाले भी हैं, जो उनके भस्म से लिपटी देह, जटाजूटधारी, नागों के हार पहनने से लेकर बाघ की खाल धारण करने या आसन पर बैठने सहित कई तरह से उजागर होता है।

3. उग्र : - वायु रूप में शिव जगत को गति देते हैं और पालन-पोषण भी करते हैं। इसके स्वामी उग्र है, इसलिए यह मूर्ति औग्री के नाम से भी प्रसिद्ध है। उग्र नाम का मतलब बहुत ज्यादा उग्र रूप वाले होना बताया गया है। शिव के तांडव नृत्य में भी यह शक्ति स्वरूप उजागर होता है।

4. भव : - शिव की जल से युक्त मूर्ति पूरे जगत को प्राणशक्ति और जीवन देने वाली है। इसके स्वामी भव है, इसलिए इसे भावी भी कहते हैं। शास्त्रों में भी भव नाम का मतलब पूरे संसार के रूप में ही प्रकट होने वाले देवता बताया गया है।

5. पशुपति : - यह सभी आंखों में बसी होकर सभी आत्माओं की नियंत्रक है। यह पशु यानी दुर्जन वृत्तियों का नाश और उनसे मुक्त करने वाली होती है। इसलिए इसे पशुपति भी कहा जाता है। पशुपति नाम का मतलब पशुओं के स्वामी बताया गया है, जो जगत के जीवों की रक्षा व पालन करते हैं।

6. रुद्र :- यह शिव की अत्यंत ओजस्वी मूर्ति है, जो पूरे जगत के अंदर-बाहर फैली समस्त ऊर्जा व गतिविधियों में स्थित है। इसके स्वामी रूद्र है। इसलिए यह रौद्री नाम से भी जानी जाती है। रुद्र नाम का अर्थ भयानक भी बताया गया है, जिसके जरिए शिव तामसी व दुष्ट प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखते हैं।

7. ईशान : - यह सूर्य रूप में आकाश में चलते हुए जगत को प्रकाशित करती है। शिव की यह दिव्य मूर्ति ईशान कहलाती है। ईशान रूप में शिव ज्ञान व विवेक देने वाले बताए गए हैं।

8. महादेव : - चन्द्र रूप में शिव की यह साक्षात मूर्ति मानी गई है। चन्द्र किरणों को अमृत के समान माना गया है। चन्द्र रूप में शिव की यह मूर्ति महादेव के रूप में प्रसिद्ध है। इस मूर्ति का रूप अन्य से व्यापक है। महादेव नाम का अर्थ देवों के देव होता है। यानी सारे देवताओं में सबसे विलक्षण स्वरूप व शक्तियों के स्वामी शिव ही हैं।

ताली कब और ज़्यों बजाते हैं

आमतौर पर भगवान की स्तुति करने वक्त ताली बजाने का प्रचलन है। सामान्यत: हम किसी भी मंदिर में आरती के समय सभी को ताली बजाते देखते हैं और हम खुद भी ताली बजाना शुरू कर देते हैं। ऐसे कई मौके होते हैं जहां ताली बजाई जाती है। किसी समारोह में, स्कूल में, घर में आदि स्थानों पर जब भी कोई खुशी और उत्साह वाली बात होती है हम उसका ताली बजाकर अभिवादन करते हैं लेकिन ताली बजाते क्यों हैं।

काफी पुराने समय से ही ताली बजाने का प्रचलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म के समय ताली बजाई जाती है। ताली बजाना एक व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होता है, शरीर की मांसपेशियां एक्टिव हो जाती है। जोर-जोर से ताली बजाने से कुछ ही देर में पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक उत्तेजना पैदा हो जाती है। हमारी हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहते हैं।

ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पडता है और संबंधित अंगों में रक्त संचार बढता है। जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। एक्यूप्रेशर पद्धति में ताली बजाना बहुत अधिक लाभदायक माना गया है। इन्हीं कारणों से ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के बहुत लाभदायक है। हिंदू धर्म में आरती के दौरान ताली बजाना(कर्तल ध्वनि) एक स्वाभाविक क्रिया मानी जाती है। मंदिर हो या कोई अन्य पूजा स्थल, जहां भी आरती संपन्न हो रही होती है वहां पर श्रद्धालु आदतन ताली अवश्य बजाते हैं। प्राय: किसी उत्सव, जन्मदिन या संत समागम के दौरान भी हर्षोल्लास के साथ कर्तल ध्वनि पैदा की जाती है। आमजन किसी के उत्साहवर्धन के लिए भी ताली का प्रयोग करते हैं।

केवल आरती के दौरान ही बजानी चाहिए ताली सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार केवल आरती के मध्य ही कर्तल ध्वनि उत्पन्न करना उपयुक्त पद्धति है। ऐसे श्रद्धालु जो अभी ध्यान की आरंभिक अवस्था में हैं, वह ताली को एक निश्चित क्रम में सहज भाव से बजाएं ताकि कर्ण प्रिय ध्वनि उत्पन्न हो तथा आरती के साथ उसका बेहतर संयोजन हो सके। किंतु ध्यान की उच्चतर अवस्था में अवस्थित श्रद्धालु ताली के स्थान पर सामने की ओर देखते हुए नेत्रों की अर्धनिमीलित स्थिति में आत्मनिमग्न हों तो ज्यादा अच्छा माना जाता है।

यह व्रत कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहते हैं। कामदा एकादशी भगवान श्री विष्णु का उत्तम व्रत कहा गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार कामदा एकादशी व्रत के पुण्य से जीवात्मा को पाप से मुक्ति मिलती है। यह एकादशी कष्टों का निवारण करने वाली और मनोवांछित फल देने वाली होने के कारण फलदा और कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है।

इस एकादशी की कथा व महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने पाण्डु पुत्र धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इससे पूर्व राजा दिलीप को यह महत्व वशिष्ठ मुनि ने बताया था। कामदा एकादशी का व्रत इस प्रकार करना चाहिए-

व्रत विधि: कामदा एकादशी के दिन स्नान आादि से पवित्र होने के पश्चात संकल्प करके भगवान श्री विष्णु के विग्रह का पूजन करें। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत आदि पदार्थ अर्पित करें। आठों प्रहर निर्जल (बिना पानी पिए) रहकर विष्णु जी के नाम का स्मरण एवं कीर्तन करें। एकादशी व्रत में ब्राहमण भोजन एवं दक्षिणा का बडा ही महत्व है अत: द्वादशी के दिन ब्राहमण को भोजन करवाकर दक्षिणा सहित विदा करने के पश्चात ही भोजन ग्रहण करें। इस प्रकार जो चैत्र शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी का व्रत रखता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

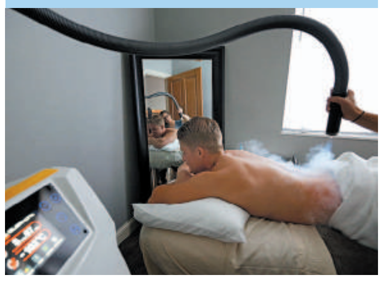

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्त्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्त्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणु ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही: पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क: अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट: दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही: यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पशिचमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रैड स्लाइस,1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए),1 गाजर(कद्दूकस की हुई),1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा),1 हरी मिर्च(कटी हुई),आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ),गरम मसाला,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार,पानी,3-4 पनीर(टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ),1 टमाटर(कटा हुआ),2 प्याज(कटे हुए),1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी,2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

ट्रंप-जिनपिंग वार्ता

वैसे तो चमक-दमक और जोरदार मेहमाननवाजी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वॉशिंगटन में हुई मुलाकात प्रथम दृष्टया शानदार नजर आती है। लेकिन हकीकत में इस समिट का कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आया। दिल मिलें न मिलें हाथ मिलाने की तर्ज पर एक बात तो स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कितनी गहराई तक आपस में जुड़ी हुई हैं। उनमें गहरे मतभेद और मुखर प्रतिद्वंद्विता आज भी कायम है। वार्ता का स्पष्ट परिणाम उनके बीच व्यापारिक युद्ध विराम का आगे बढ़ना है। हालांकि, दोनों देशों के व्यापारिक मामलों को लेकर बुनियादी विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। अमेरिका ने कई तरह के टैरिफ चीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है। ट्रंप ने गर्व के साथ व्हाइट हाउस के नये रूप में तैयार परिसर को उन्हें दिखाया और शानदार राजकीय भोज का भी आयोजन किया। हालांकि, ताइवान के मामले में बहुत कुछ दांव पर लगा था। शी ने वाशिंगटन से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को संवेदनशील ढंग से संभालने का भी आग्रह किया। जिसे चीन वक्त की समझदारी मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर एक अस्पष्ट नीति को अपनाए हुए है। एक ओर अमेरिका ताइवान की अपनी रक्षा करने की नीति का समर्थन तो करता है, लेकिन उसकी संप्रभुता को औपचारिक मान्यता भी नहीं देता। सही मायने में इस बहाने शी ने डोनॉल्ड ट्रंप को चीन की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। उन्होंने अमेरिका को संकेत दिया कि चीन ताइवान के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। वास्तव में चीनी रणनीति का सिद्धांत उस अवधारणा पर केंद्रित है, जो टकराव के खतरे को बताती है। यह खतरा तब पैदा होता है जब कोई स्थापित शक्ति किसी उभरती शक्ति का सामना करती है। वहीं चीनी राष्ट्रपति ने मौजूदा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच सैन्य बातचीत की अपरिहार्यता को बताया। साथ ही किसी भी तरह के संकट को टालने के लिये मजबूत तंत्र बनाने का भी आह्वान किया। निस्संदेह, इस तरह की पहल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बीजिंग और वाशिंगटन के मध्य असहमति केवल अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्रों तक विस्तृत है। सही मायने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता खोज हेतु जारी तीव्र होड़ ने इस अंतर को दर्शाया है। आज बेहद तेजी से विकसित होती एआई तकनीक को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। दुनिया में एआई के शोध-अनुसंधान की गति को धीमा करने की मांग की जा रही है ताकि मानवता के लिये नया संकट पैदा न हो। एक ओर ट्रंप ने एआई को नियमों से बचाने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर शी जिनपिंग ने तर्क दिया कि एआई को इंसानी नियंत्रण में रखा जाना चाहिए। इसकी भूमिका सिर्फ मानव हित में काम करने तक ही सीमित रहनी चाहिए। दो महाशक्तियों में एआई को लेकर भिन्न-भिन्न नजरिये से स्पष्ट होता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में सहयोग शायद मुश्किल होगा। दरअसल, दोनों को भय है कि यदि एआई का नियमन किया गया तो एक देश दूसरे से एआई की तरक्की में पीछे रह सकता है। निस्संदेह, इस शिखर सम्मेलन से भले ही कोई बड़ी कामयाबी हासिल न हुई हो, इसके बावजूद इस मुलाकात का अपना एक विशेष महत्व तो है। शिखर सम्मेलन का महत्व इस बात को लेकर भी है कि वॉशिंगटन और बीजिंग अपनी लगातार बातचीत को व्यावहारिक स्थिरता में बदल सकते हैं। निस्संदेह, दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता को टकराव में बदलने से रोका जाना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वॉशिंगटन में हुई मुलाकात प्रथम दृष्टया शानदार नजर आती है। लेकिन हकीकत में इस समिट का कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आया। दिल मिलें न मिलें हाथ मिलाने की तर्ज पर एक बात तो स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कितनी गहराई तक आपस में जुड़ी हुई हैं। उनमें गहरे मतभेद और मुखर प्रतिद्वंद्विता आज भी कायम है। वार्ता का स्पष्ट परिणाम उनके बीच व्यापारिक युद्ध विराम का आगे बढ़ना है। हालांकि, दोनों देशों के व्यापारिक मामलों को लेकर बुनियादी विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। अमेरिका ने कई तरह के टैरिफ चीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है। ट्रंप ने गर्व के साथ व्हाइट हाउस के नये रूप में तैयार परिसर को उन्हें दिखाया और शानदार राजकीय भोज का भी आयोजन किया। हालांकि, ताइवान के मामले में बहुत कुछ दांव पर लगा था। शी ने वाशिंगटन से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को संवेदनशील ढंग से संभालने का भी आग्रह किया। जिसे चीन वक्त की समझदारी मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर एक अस्पष्ट नीति को अपनाए हुए है। एक ओर अमेरिका ताइवान की अपनी रक्षा करने की नीति का समर्थन तो करता है, लेकिन उसकी संप्रभुता को औपचारिक मान्यता भी नहीं देता।

भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक- जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, "मैं और केवल मैं" किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है।

भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है।

देश दुनिया से

जन्मशताब्दी वर्ष में एक युगपुरुष का पुण्य

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।' अभिप्राय है कि पेड़ कभी अपने फल नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। हमारे ऋषियों ने यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। 27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज-संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का प्रसंग याद है। तब मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हस्तलिखित पत्र मिला। उन्होंने आगामी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपीं। तब अशोक सिंघल जी से पत्र पाना मेरे लिए एक यादगार क्षण बना। मैंने उन्हें दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष प्रिय था। वे चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जाए। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती तो सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ के भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बना। अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई श्री बी.पी. सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में सांसद भी रहे। दूसरे भाई श्री वी.पी. सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। छोटी उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो व मां भारती की संतानें गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी घंटों संगम तट पर बैठते। वहां आने वाले साधु-संतों और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज हेतु कुछ करने का संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया। उन्होंने अपने अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। प्रत्येक व्यक्ति उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक जी के संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वह मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन कैसे हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है तो इसमें अशोक जी जैसी विभूतियों का निःस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने में सर्वस्व अर्पित किया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते, तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वे सर्वाधिक भावुक एवं प्रसन्न होते। स्वर्गीय अशोक सिंघल जी मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया।

आप का नज़रिया

महिला किसान का नया अधिकार

किसान की पहचान अगर जमीन के कागज से होती है, तो खेत में पसीना बहाने वाली महिला कौन है? यही सवाल महाराष्ट्र के महिला किसान अधिकार कानून 'महाराष्ट्र महिला किसान सशक्तिकरण अधिनियम, 2026' ने उठाया है। यहां जमीन पुरुष के नाम है, लेकिन खेती का बड़ा हिस्सा महिला संभालती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार राज्य की कृषि कार्यशक्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है, जबकि भूमि स्वामित्व में उनका हिस्सा करीब 15 प्रतिशत है। ये आंकड़े उस विरोधाभास को उजागर करते हैं, जिसमें श्रम महिला का है और किसान की पहचान पुरुष के नाम। नया कानून कहता है कि किसान होने की कसौटी केवल जमीन का मालिकाना नहीं, खेती में किया गया वास्तविक श्रम भी हो सकता है। यह प्रशासनिक सुधार नहीं, किसान की परिभाषा में बुनियादी बदलाव है। अब किसान कहलाने के लिए जमीन का मालिक होना जरूरी नहीं—खेती में सक्रिय होना पर्याप्त हो सकता है। 18 वर्ष से अधिक आयु की वह महिला, जो एक मौसम भी फसल उत्पादन या कृषि-संबंधी गतिविधि में सक्रिय रही है, महिला किसान प्रमाणपत्र की पात्र हो सकती है। इसमें खेती के साथ डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट, रेशम और वन उपज भी शामिल हैं। प्रमाणपत्र ग्रामसभा के प्रस्ताव पर नामित अधिकारी जारी करेगा। राष्ट्रीय किसान नीति, 2007 ने महिला किसानों की पहचान और अधिकारों की दिशा दिखाई थी, लेकिन ऐसा राज्य-स्तरीय प्रयोग सामने नहीं आया था। महाराष्ट्र ने अब उसे प्रशासनिक रूप देने की पहल की है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि खेत में काम करने वाली भूमिहीन महिलाएं भी किसान पहचान पा सकती हैं, जो जमीन अपने नाम न होने के कारण अब तक सरकारी व्यवस्था में अदृश्य थीं। पहचान का असली मूल्य तब है, जब वह बंद दरवाजे खोल दे। महिला किसान प्रमाणपत्र का उद्देश्य इसी पहचान को ऋण, फसल बीमा, सब्सिडी, कृषि योजनाओं, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच में बदलना है। यानी जो महिला अब तक खेत में श्रमिक मानी जाती थी, उसे आर्थिक व्यवस्था में किसान के रूप में जगह मिले। इसके लिए राज्य महिला किसान कोष, डिजिटल डेटाबेस, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली सशक्तीकरण परिषद और जिला स्तर पर सहायक अधिकारियों की संस्थागत व्यवस्था की गई है। क्योंकि अधिकार कानून की किताब में नहीं, उसके अमल में जीवित रहता है। प्रमाणपत्र से बैंक तक, बैंक से ऋण तक और ऋण से उत्पादन तक रास्ता खुले—तभी किसान की पहचान वास्तविक आर्थिक शक्ति बनेगी। नाम बदलने से कभी-कभी पूरी जिंदगी का अर्थ बदल जाता है। महिला के हाथ में किसान प्रमाणपत्र आते ही सरकारी दफ्तर में उसकी पहचान किसी किसान की पत्नी या परिवार की महिला नहीं, स्वयं किसान की होगी। यह बदलाव छोटा नहीं है। पहचान आत्मविश्वास देती है और आत्मविश्वास निर्णय की ताकत बढ़ाता है। कृषि संकट को हम मौसम, कर्ज, लागत और बाजार से जोड़कर देखते हैं, लेकिन उसके भीतर महिलाओं के श्रम की अदृश्यता का संकट भी है। जिस मेहनत का सरकारी रिकॉर्ड में नाम नहीं, वह स्वतंत्र आर्थिक शक्ति कैसे बने? महाराष्ट्र का कानून इसी अनदेखे श्रम को पहचान और रिकॉर्ड देने की कोशिश है। किसान की पहचान और जमीन का मालिकाना—दो अलग अधिकार हैं। महिला किसान प्रमाणपत्र से जमीन उसके नाम नहीं होगी, उत्तराधिकार स्वतः नहीं मिलेगा और भूमि अभिलेख भी नहीं बदलेंगे। इसलिए यह कानून भूमि सुधार का विकल्प नहीं है। आलोचना यही है कि महिलाओं को पहचान मिली, लेकिन संपत्ति का पुनर्वितरण नहीं हुआ। यह सीमा है, पर कानून को निरर्थक नहीं बनाती।

महाराष्ट्र के महिला किसान अधिकार कानून 'महाराष्ट्र महिला किसान सशक्तिकरण अधिनियम, 2026' ने उठाया है। यहां जमीन पुरुष के नाम है, लेकिन खेती का बड़ा हिस्सा महिला संभालती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार राज्य की कृषि कार्यशक्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है, जबकि भूमि स्वामित्व में उनका हिस्सा करीब 15 प्रतिशत है। ये आंकड़े उस विरोधाभास को उजागर करते हैं, जिसमें श्रम महिला का है और किसान की पहचान पुरुष के नाम। नया कानून कहता है कि किसान होने की कसौटी केवल जमीन का मालिकाना नहीं, खेती में किया गया वास्तविक श्रम भी हो सकता है। यह प्रशासनिक सुधार नहीं, किसान की परिभाषा में बुनियादी बदलाव है। अब किसान कहलाने के लिए जमीन का मालिक होना जरूरी नहीं—खेती में सक्रिय होना पर्याप्त हो सकता है। 18 वर्ष से अधिक आयु की वह महिला, जो एक मौसम भी फसल उत्पादन या कृषि-संबंधी गतिविधि में सक्रिय रही है, महिला किसान प्रमाणपत्र की पात्र हो सकती है। इसमें खेती के साथ डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट, रेशम और वन उपज भी शामिल हैं। प्रमाणपत्र ग्रामसभा के प्रस्ताव पर नामित अधिकारी जारी करेगा। राष्ट्रीय किसान नीति, 2007 ने महिला किसानों की पहचान और अधिकारों की दिशा दिखाई थी, लेकिन ऐसा राज्य-स्तरीय प्रयोग सामने नहीं आया था। महाराष्ट्र ने अब उसे प्रशासनिक रूप देने की पहल की है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि खेत में काम करने वाली भूमिहीन महिलाएं भी किसान पहचान पा सकती हैं।

कुछ अलग

श्रद्धा से जुड़ा दान पितृ पक्ष की पहचान

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में पितृ पक्ष का विशेष स्थान है। यह वह पखवाड़ा है जब हिंदू परिवार अपने पूर्वजों को स्मरण करते हुए श्राद्ध, तर्पण और दान के माध्यम से उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। माना जाता है कि इस समय पितृलोक के द्वार खुलते हैं और हमारे पूर्वज पृथ्वी लोक में आकर अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं। इस दौरान किया गया दान केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता, बल्कि यह जीवन में कृतज्ञता, सेवा और सामाजिक सामंजस्य का संदेश भी देता है। इसलिए पितृ पक्ष में दान का विशेष महत्व माना गया है। कुछ वस्तुओं के दान को तो महादान की श्रेणी में रखा गया है। मान्यता है कि पितृ पक्ष में हम जो भी अपने पितरों के लिए अर्पित करते हैं, वे उसे सूक्ष्म रूप में ग्रहण करते हैं। कहा जाता है कि श्राद्ध पक्ष में पितृगण बिना आह्वान किए अपने-अपने स्वजनों के यहां पहुंचते हैं और पंद्रह दिनों तक वहीं विद्यमान रहते हैं।

दृष्टि कोण

देश की राजनीति में बदलाव के सवाल पर हो मंथन

पुरानी व्यवस्था निरंतर बदल रही है और उसकी जगह नया निज़ाम ले रहा है, लेकिन पिछले कुछ घंटों में ऐसा लगा कि बुजुर्ग हों या युवा, दोनों ही, सत्ताधारियों के प्रति अपनी निराशा व्यक्त कर रहे हैं। सर्वप्रथम, पंजाब की राजनीति के वयोवृद्ध नेता, 84 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 'द ट्रिब्यून' को बताया कि 2017 से 2022 तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए नशा स्मगलिंग का मुद्दा उठाया था; जब कान नहीं धरा तो उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि 'दिल्ली को पंजाब की समझ नहीं'। सिंह ने कहा कि भाजपा ने राज्य में नीति और राजनीति के मामलों पर उनसे कभी सलाह नहीं ली और पार्टी में शामिल होने से उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ। वरिष्ठ नेता की नाराज़गी के अलावा, बीते गुरुवार दिल्ली में युवाओं की 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) की प्रेस वार्ता में भी आक्रोश ऐसा ही था। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की। यह मांग 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद आई कि मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव आयोग के सॉफ़्टवेयर के जरिए वोटरों के नाम हटाए जाने की जानकारी के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। यहां प्रमुख सवाल राजनीतिक महत्वाकांक्षा की सीमाओं को लेकर है- और क्या उम्र का इससे लेना-देना होना चाहिए। क्या बीजेपी अमरिंदर द्वारा अपनी पार्टी की आलोचना और पंजाब में पार्टी को नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता पर कोई ध्यान देना चाहेगी, वह भी काफी अहम विधानसभा चुनावों से पहले? इतना ही महत्त्वपूर्ण यह कि क्या आप उस संगठन की मांगें अनदेखा कर सकते हैं जो कोई सियासी दल भी नहीं? खासकर तब, जब पिछली बार सीजेपी के प्रदर्शन पर सख़्ती की थी, तो शिक्षा मंत्री को हटाना पड़ा था? इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट आने के बाद उठे हंगामे के बीच खामोश संदेश पर विचार ज़रूरी है, हालांकि राजसत्ता अब खुद को संभाल रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफ़े के लिए सीजेपी द्वारा 48 घंटे की मोहलत जैसे-जैसे पास आती गई, जंतर-मंतर पर फिर बैरिकेड्स लगा दिए। ज्ञानेश कुमार ने अपने दौरे रद्द कर दिए। न केवल विपक्ष, बल्कि चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा जैसे भाजपा के सहयोगी भी अब दबाव डाल रहे हैं व मांग कर रहे हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त 'लोगों के मन में बनी गलत धारणाएं दूर करें'। निस्संदेह, देश 'दो हिस्सों' में बंटा है। दिल्ली में जुलाई के विरोध-प्रदर्शन के बाद सीजेपी ने धीरे-धीरे दायरा बढ़ाया- आए दिन सीजेपी की सोशल मीडिया पर वीडियो दिखती हैं जो उनकी '#स्कूल ठीक करो' मुहिम के तहत सरकारी स्कूलों की बदहाली बताती हैं; खुद दलित समुदाय से संबंधित अभिजीत दीपके की कोशिश है कि आईआईटी बॉम्बे में छात्र की मौत के बाद ध्यान जाति, वर्ग भेद पर चर्चा से परे मानसिक सेहत पर रहे। सीजेपी के बढ़ते प्रभाव ने मीडिया को अपना काम करने पर मजबूर किया- चाहे सत्ताधारी पार्टी से सवाल पूछना हो या विपक्ष से। सवाल उठता है कि सिवाय आम आदमी पार्टी के, जिसने पंजाब में अपने 'स्कूल ऑफ़ एमिनेंस' परियोजना पर काफ़ी मेहनत की है (भले ही नतीजे मिले-जुले रहे) किसी भी अन्य सियासी दल ने शिक्षा जैसे अहम मुद्दे पर ध्यान क्यों नहीं दिया? सिवाय उस वक्त, जब वे निजी विश्वविद्यालय स्थापित कराती हैं व सस्ती दरों पर संसाधन उनके हवाले करती हैं? सीजेपी हमें आईना दिखा रहा है कि यह सब आपके आस-पास हो रहा था, आपने ध्यान नहीं दिया। सच तो यह कि हमने देखा था, लेकिन या तो ऐसी स्थितियां बनाने में हमारा योगदान भी रहा, या अत्यधिक निराशावादी बने रहे, या फिर परवाह नहीं रही।

एकदिवसीय में डिविलियर्स सहित इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

जोहांसबर्ग

एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं।

डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16 विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में वेस्टइंडीज के युवा आलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है।

इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है। इस सूची में सबसे पहले नाम आता है श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का, जिन्होंने 7 अप्रैल 1996 को सिंगापुर में पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर पचास रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी का नया चलन स्थापित किया था। उनकी 76 रनों की पारी में 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे।

कई साल बाद उन्हीं की शैली को दोहराते हुए एक और श्रीलंकाई बाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल परेरा ने 15 जुलाई 2015 को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। परेरा ने अपनी 68 रनों की पारी में 13 चौके और 2 छक्के जमाए। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल भी इसी साल (2015) 28 दिसंबर को क्राइस्टचर्च में श्रीलंका के खिलाफ महज 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस विशिष्ट क्लब में शामिल हुए। गप्टिल ने 93 रनों की अपनी नाबाद पारी में 8 छक्के और 9 चौके लगाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

वर्ष 2015, जहां एक तरफ डिविलियर्स ने विश्व रिकार्ड बनाया, वहीं परेरा और गप्टिल ने भी अपनी आतिशी पारियों से इस साल को पावर-हिटिंग के लिए स्वर्णिम बना दिया। ये पारियां केवल आंकड़ों का खेल नहीं थीं, बल्कि इन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट के स्वरूप को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आज भी क्रिकेट प्रशंसक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब कोई बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के 16 गेंदों के इस असाधारण रिकार्ड को तोड़कर एक नया इतिहास रचेगा।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः महिला टीम स्क्वाश में भारत ने चीन को हराया; पुरुष वालीबाल टीम ने हांगकांग पर दर्ज की जीत

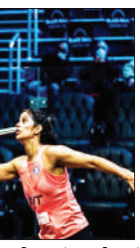

आइची-नागोया। एशियाई खेलों में भारत ने चीन पर 2-1 से जीत के साथ महिला स्क्वैश टीम का अपना अभियान शुरू किया, जबकि पुरुष वालीबाल टीम ने हांगकांग पर 3-0 से जीत के साथ अपना विजयी क्रम जारी रखा। भारत की स्क्वैश टीम ने शमीना रियाज़ की यिन ज़ियुआन से पांच-गेम की हार से उबरते हुए 2-1 से मुकाबला जीता; इसमें तन्वी खन्ना और जोशना चिनप्पा ने सीधे गेम में जीत हासिल की। शमीना ने यिन के खिलाफ़ 11-8, 11-6, 9-11, 9-11, 14-12 से हारने से पहले कड़ी टक्कर दी, लेकिन तन्वी ने झांग युनिंग को 11-3, 11-5, 11-5 से हराकर मुकाबला बराबर कर दिया। इसके बाद जोशना ने लियू ज़ियी को 12-10, 11-4, 11-6 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। भारत का अगला मुक़ाबला जापान से होगा, उनके पूल में ईरान भी एक टीम है। महिला टीम के बाद, पुरुष टीम अपने पहले पूल मैच में चीन का सामना करेगी। रजत जीतने वाले अभय सिंह को टीम इवेंट से आराम दिया गया है। सूरज चंद, वीर चोत्रानी और वेलवन सेंथिलकुमार ये तीन मैच खेलेंगे। वहीं, पुरुष वालीबाल टीम ने लगातार दूसरी जीत हासिल की; उन्होंने हांगकांग को सीधे सेटों में 25-22, 25-19, 25-21 से हराया। कप्तान जेरोम विनिथ ने भारत की अगुवाई की, जबकि जान जोसेफ, अशवाल राय और चिराग यादव ने भी अहम योगदान दिया। भारत का मुक़ाबला कतर से होगा, जो पूल C में टाप पर रहने वाली टीम का फ़ैसला कर सकता है।

एशियाई खेल 2026ः अंकिता रैना-ऋतुजा भोसले महिला युगल टेनिस से बाहर

आइची-नागोया। भारत की अंकिता रैना और ऋतुजा भोसले को एशियाई खेल 2026 में महिला युगल टेनिस स्पर्धा में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को कजाकिस्तान की अन्ना डानिलिना और यूलिया पुतिन्त्सेवा ने कड़े मुकाबले में 5-7, 6-3, 10-5 से हराया। अंकिता और ऋतुजा ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया। इसके बाद कजाकिस्तान की जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीत लिया। निर्णायक मैच टाईब्रेक में भी दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन डानिलिना और पुतिन्त्सेवा ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए इसे 10-5 से जीत लिया और अगले दौर में जगह बना ली। अंकिता और ऋतुजा ने मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की थी। पुतिन्त्सेवा शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ी हैं और नियमित रूप से डब्ल्यूटीए टूर में हिस्सा लेती हैं। हालांकि भारतीय जोड़ी अपनी शुरुआती बढ़त को अंत तक कायम नहीं रख सकी। इस हार के साथ एशियाई खेलों में भारत का महिला युगल टेनिस अभियान समाप्त हो गया है। हालांकि अंकिता रैना और ऋतुजा भोसले मिश्रित युगल स्पर्धा में अभी भी चुनौती पेश करेंगी।

एशियाई खेल 2026ः बारिश ने भारत-अफगानिस्तान मुकाबला धोया, टीम इंडिया सेमीफाइनल में

आइची-नागोया। एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया। मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बारिश रुकने के बावजूद मैदान खेलने के लिए तैयार नहीं हो सका। इसके बाद अधिकारियों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। बेहतर वरीयता प्राप्त होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। इससे पहले पाकिस्तान भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गया था। पाकिस्तान का सामना अब सेमीफाइनल में बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। इस तरह बारिश के कारण एशियाई खेलों के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों का फैसला बिना गेंद फेंके ही हो गया और भारत तथा पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली ।

एशियन गेम्स के 9वें दिन भारत को मिले 8 पदक

भाला फेंक में यशवीर को रजत, रोहित को कांस्य; श्रीशंकर, गुलवीर और ईशा ने भी जीते रजत

एशियन गेम्स 2026 मेडल टेली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	130	53	45	228
2	जापान	41	68	62	171
3	साउथ कोरिया	21	26	43	90
4	उज्बेकिस्तान	12	17	13	42
5	कजाकिस्तान	9	13	23	45
6	थाईलैंड	9	7	12	28
7	बहरीन	9	2	3	14
8	ईरान	8	15	9	32
9	नॉर्थ कोरिया	7	5	5	17
10	मलेशिया	6	3	9	18
12	भारत	4	20	21	45

भारत को एशियन गेम्स के 9वें दिन 8 पदक मिले। यशवीर सिंह ने भाला फेंक में 85.72 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि रोहित यादव ने 84.35 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

इससे पहले श्रीशंकर मुरली ने लंबी कूद में 8.07 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीता। गुलवीर सिंह ने 1500 मीटर दौड़ में 3 मिनट 36.72 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया।

सोमवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। पारुल चौधरी ने 5000 मीटर में कांस्य, वित्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य और पिंकी बल्हारा ने कुराश के 78 किलोग्राम से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

इन पदकों के साथ भारत के खाते में अब कुल 45 पदक हो गए हैं। इनमें 4 स्वर्ण, 20 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल हैं। भारत पदक तालिका में 12वें स्थान पर है। निशानेबाजी में भारत के कुल 12 पदक हो गए हैं, जिनमें 1 स्वर्ण, 7 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं।

ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। फाइनल में ईशा और चीन की जियाओ जियारुइक्सुआन के 38-38 अंक रहे। इसके बाद शूटआउट हुआ, जिसमें जियाओ ने जीत दर्ज की। ईशा ने 580 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। मनु भाकर पदक मुकाबले तक नहीं पहुंच सकीं।

पारुल और वित्या ने जीते कांस्य

पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 14.61 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। वित्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 54.75 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पीटी उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में 55.42 सेकेंड का समय निकाला था। अनू राघवन 55.88 सेकेंड के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

कुराश में पिंकी बल्हारा ने महिलाओं के 78 किलोग्राम से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की मो सुमिन ने 5-0 से हराया।

हॉकी में बांग्लादेश को 10-0 से हराया

भारत ने पुरुष हॉकी के पूल-ए के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश को 10-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर से 4 गोल किए, जबकि शिलानंद ने 2 तथा अभिषेक, सुखजीत, जुगराज और मंदीप ने 1-1 गोल किया। भारत पूल-ए में शीर्ष पर रहा और 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलेगा।

बॉक्सिंग में 3 पदक पक्के

कपिल पोखरिया ने पुरुषों के 90 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया के किम गिचाए को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और पदक पक्का किया।

लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं के 75 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सियोंग सुयोन को 5-0 से हराया।

प्रियंका ने महिलाओं के 60 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों के पदक पक्के हो गए हैं।

एशियाई खेल 2026 : लवलीना बोरगोहेन सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत का एक और पदक पक्का

आइची-नागोया

भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। लवलीना ने दक्षिण कोरिया की 2010 एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता सियोंग सुयोन को 5-0 से हराया।

लवलीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले राउंड में दोनों मुक्केबाजों के बीच जमकर प्रहार हुए, लेकिन लवलीना ने बेहतर मुक्केबाजी करते हुए सभी जजों का फैसला अपने पक्ष में किया।

दूसरे राउंड में सियोंग ने आक्रामक होकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लवलीना ने अपने फुटवर्क और काउंटर अटैक से उनके हमलों का जवाब दिया। उन्होंने लगातार जैब लगाते हुए यह राउंड भी 5-0 से अपने नाम किया।

तीसरे राउंड में लवलीना ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। उन्होंने तेज वन-टू पंच लगाए और सियोंग को लगातार दबाव में रखा। जजों ने तीसरे राउंड में भी 5-0 से लवलीना के पक्ष में फैसला दिया। मुकाबला लवलीना ने कुल 30-27 के स्कोर से जीता।

लवलीना अब फाइनल में जगह बनाने के लिए बुधवार को कजाकिस्तान की नतालिया बोगदानोवा से भिड़ेंगी।

परवीन हुड्डा और अंकुश पंघाल भी पदक की दौड़ में - इससे पहले परवीन हुड्डा ने महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का पदक पक्का किया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता नवबखोर खामिदोवा को 5-0 से हराया। परवीन ने तीनों राउंड में 4-1, 5-0 और 5-0 से बढ़त हासिल की। पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग में अंकुश पंघाल भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

हैदराबाद की मेहरुन्नीसा ने वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2026 में लॉजिस्टिक्स और फ्रेट फॉरवर्डिंग में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता

हैदराबाद । हैदराबाद की मेहरुन्नीसा बेगम ने 48वें वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता – शंघाई 2026 में लॉजिस्टिक्स और फ्रेट फॉरवर्डिंग स्किल में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। वर्ल्डस्किल्स दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक और पेशेवर कौशल मंचों में से एक है, जिसे कुशल पेशों का वैश्विक चैंपियनशिप भी माना जाता है।

मेहरुन्नीसा ने दुनिया भर के उच्च कुशल प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, फ्रेट फॉरवर्डिंग, दस्तावेज़ीकरण, रूटिंग, वाणिज्यिक निर्णय लेने और ग्राहक हैंडलिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मेहरुन्नीसा ने हैदराबाद के बेगमपेट डिग्री कॉलेज से लॉजिस्टिक्स में बीबीए पूरा किया है और वर्तमान में कार्गोमेन लॉजिस्टिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत हैं। कार्गोमेन में वे थर्मो फिशर साइंटिफिक अकाउंट संभालती हैं, जहाँ उन्हें अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स संचालन, ग्राहक समन्वय, दस्तावेज़ीकरण और फ्रेट प्रबंधन प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव मिला।

उन्होंने कमल जैन और ट्रेनिंग टीम के मार्गदर्शन में गहन तैयारी की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय फ्रेट फॉरवर्डिंग, एयर और ओशन कार्गो, मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट, फ्रेट कैलकुलेशन, इनकोटर्म्स, कस्टम्स प्रक्रियाएं, दस्तावेज़ीकरण, खतरनाक सामान, ग्राहक संचार और व्यावहारिक समस्या-समाधान शामिल थे। लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल (एलएससी) ने उनके वर्ल्डस्किल्स सफर के लिए प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन प्रदान किया। एलएससी भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कौशल विकास और उद्योग-सम्मत दक्षताओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

48वीं वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता 22 से 27 सितंबर 2026 तक चीन के शंघाई में आयोजित हुई। इसमें लगभग 70 देशों और क्षेत्रों के करीब 1,400 युवा पेशेवरों ने विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, सेवाओं, परिवहन, निर्माण और लॉजिस्टिक्स सहित 64 स्किल्स में प्रतिस्पर्धा की। यह प्रतियोगिता युवा पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के आधार पर अपने ज्ञान और व्यावहारिक क्षमताओं का मूल्यांकन करने का अवसर देती है।

लॉजिस्टिक्स और फ्रेट फॉरवर्डिंग अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक सप्लाई चेन को समर्थन देने वाला महत्वपूर्ण पेशेवर कौशल है। प्रतिस्पर्धियों का परीक्षण फ्रेट प्लानिंग, अंतरराष्ट्रीय परिवहन, दस्तावेज़ीकरण, कस्टम्स अनुपालन, कार्गो हैंडलिंग, कॉस्टिंग, रूटिंग, इनकोटर्म्स, ग्राहक सेवा और परिचालन समस्या-समाधान जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।

मेहरुन्नीसा का यह पदक युवा भारतीय लॉजिस्टिक्स पेशेवरों की अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। भारत सरकार कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के माध्यम से स्किल इंडिया इकोसिस्टम के जरिए व्यावसायिक और पेशेवर कौशलों को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) भारत की वर्ल्डस्किल्स भागीदारी समन्वय और राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियास्किल्स और वर्ल्डस्किल्स जैसी पहलों के माध्यम से युवा पेशेवरों को उद्योग-प्रासंगिक दक्षताएं विकसित करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिलते हैं।

एशियाई खेल 2026ः पिंकी बलहारा ने कुराश में पदक पक्का किया, सेमीफाइनल में पहुंचीं

आइची-नागोया

भारत की पिंकी बलहाराखेल ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 78 किलोग्राम कुराश वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर देश का इस खेल में तीसरा एशियाई खेल पदक पक्का कर दिया। पिंकी ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की लिम गारम को 3-0 से हराया। पिंकी ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 3-0 की जीत के साथ अंतिम चार में जगह बनाई। उनकी जीत के साथ भारत का कुराश में पदक सुनिश्चित हो गया।

2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीत चुकीं पिंकी बलहारा 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थीं। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए एक बार फिर पदक अपने नाम पक्का कर लिया है।

गणेश मणि रत्नम क्वार्टर फाइनल में

भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में हमवतन साहिल जाधव को बेहद करीबी मुकाबले में 149-148 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला आखिरी चरण तक रोमांचक रहा। गणेश ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा और एक अंक के अंतर से जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने राउंड आफ 32 में इंडोनेशिया के खेलसोस्तार अंदारू रिनाल्डी को 144-142 से हराया था।

गणेश अब 1 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन चिएह-लुन का सामना करेंगे। साहिल ने राउंड आफ 32 में मंगोलिया के जामियांगोम्बो पुरेवदोरज को 149-137 से हराया था, लेकिन अगले दौर में उन्हें अपने ही देश के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में गणेश भारत के एकमात्र चुनौती पेश करने वाले खिलाड़ी रह गए हैं। भारतीय तीरंदाजी दल ने टीम स्पर्धाओं में भी शानदार प्रदर्शन किया है। भारत की पांचों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई थीं। पुरुष और महिला रिकर्व टीमें, रिकर्व मिश्रित टीम तथा पुरुष और महिला कंपाउंड टीमें अंतिम चार में पहुंच चुकी हैं।

सर्फिंग में सिवाराज बाहर

भारत के सिवाराज बाबू पुरुषों की शार्टबोर्ड सर्फिंग स्पर्धा के तीसरे दौर में फिलीपींस के अल्सिसो जयूआर्ड से 7.83-11.50 से हारकर बाहर हो गए।

जेएबी की 36वीं वार्षिक सभा में मेहता अध्यक्ष सिंघी मंत्री व रौनक कोषाध्यक्ष निर्वाचित

बेंगलूरु, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जोधपुर एसोसिएशन बेंगलूरु (जेएबी) की 36वीं वार्षिक साधारण सभा एक सभागार में आयोजित हुई। अध्यक्ष कैलाश भंसाली ने सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री राजेश भंडारी ने वार्षिक रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। आगामी वर्ष 2026-28 के लिए गोपाल राठी को पदेन ऑडिटर नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर जोधपुर एसोसिएशन बेंगलूरु के मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया, जिसमें सदस्यों का विवरण एवं एसोसिएशन के कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध रहेगी। ऐप के प्रायोजक भंडारी फोर्जिंग के सुरेश भंडारी का धीरेन्द्र कुमार सिंघी, पदमराज मेहता व एल.सी. भंडारी ने सम्मान किया।

चुनाव अधिकारी धीरेन्द्र कुमार, पदमराज मेहता व एल.सी. भंडारी ने वर्ष 2026-28 के निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की। सज्जनराज मेहता अध्यक्ष, कमल भंडारी उपाध्यक्ष, प्रशान्त सिंघी मानद मंत्री, अनिल भंडारी, शेखर भंसाली व सुनील पारेख सहमंत्री तथा रौनक गुलेच्छा कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कार्यसमिति में ए.के. व्यास, राजेन्द्र कुमार सिंघी, सुरेश भंडारी, जितेन्द्र दुग्गड़, दिनेश भंसाली, अमित भंसाली, कुणाल भंडारी व रिषि भंडारी शामिल हैं।

निवर्तमान अध्यक्ष कैलाश भंसाली व मंत्री राजेश भंडारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, मानद मंत्री प्रशान्त सिंघी व कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा का अभिनंदन कर कार्यभार सौंपा। संचालन सज्जनराज मेहता ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रशान्त सिंघी ने किया।

जेएबी का गणेश चतुर्थी एवं संवत्सरी स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जोधपुर एसोसिएशन बेंगलूरु की ओर से सदस्यों का पारिवारिक गणेश चतुर्थी एवं संवत्सरी स्नेह मिलन समारोह श्रीसुशील धाम, अत्तिबेले में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संरक्षक धीरेन्द्र कुमार, पदमराज मेहता, एल.सी. भंडारी, अध्यक्ष कैलाश भंसाली, मंत्री राजेश भंडारी, उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता व कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने किया। अध्यक्ष कैलाश भंसाली ने स्वागत किया।

इस अवसर पर मुमुक्षु कविता चोरड़िया का बहुमान किया गया। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने उनका जीवन परिचय एवं बहुमान पत्र का वाचन किया। मुमुक्षु कविता चोरड़िया ने भगवती दीक्षा के आध्यात्मिक महत्व पर विचार व्यक्त किए तथा मांगलिक प्रदान किया। माइक्रोलेब्स की डॉ. अर्चना-दिलीप सुराणा के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।संवत्सरी स्नेह मिलन के अवसर पर श्रीनगर भक्ति मंडल द्वारा भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम एवं स्वरुचि भोज को सफल बनाने में अनिल मूथा, शेखर भंसाली, जितेन्द्र दुगड़, पवनराज मेहता, संजय कर्नावट, महेन्द्रराज भंडारी आदि का सहयोग रहा। मंत्री राजेश भंडारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जानकारी प्रशान्त सिंघी ने दी।

बालाजी नगर स्थित श्री राम गौ सेवा सदन में भगत सिंह की 119वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के आयोजक नागी रेड्डी, बीआरएस के वरिष्ठ नेता एच. कुमार, पूर्व कॉरपोरेटर परमेश्वर सिंह, बाकेश सिंह, श्रीनिवास गुप्ता, गोपाल सिंह, राकेश सिंह, राजू, शोभा रानी, विद्या, दीपा, राजू सहित सभी पार्टी के नेताओं एवं समाज के लोगों ने भाग लिया।

बांसवाड़ा में पानी की समस्या को लेकर प्रजावाणी में शिकायत

बांसवाड़ा, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर की कोटा गली, बंद गली, सिद्धि गली, पोचम्मा गली और हनुमान गली में पिछले छह दिनों से पानी की समस्या को लेकर कॉलोनी की महिलाओं के साथ प्रजावाणी में अर्जी दी गई। शिकायत में बताया गया कि अमृत-2 योजना के तहत केंद्र सरकार ने बांसवाड़ा के लिए 52 करोड़ रुपये जारी किए हैं, लेकिन अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण पिछले दो माह से काम नहीं हुआ है, जिससे पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है।

प्रजावाणी में चेतावनी दी गई कि यदि दो माह के अंदर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र के लोग नगर निगम कार्यालय का घेराव करेंगे। पिछले एक सप्ताह से पानी की समस्या के बावजूद संबंधित अधिकारियों व नेताओं द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने पर बस्ती के लोगों ने नाराजगी जताई। इस दौरान बांसवाड़ा भाजपा टाउन अध्यक्ष कोनाला रंगारेड्डी, जिला सचिव शंकर गौड़, टाउन सचिव चिरंजीवी, पार्षद महेश, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण गोस्की, पुरुषोत्तम तृप्ति, शिवप्रसाद, फणींदर, साई रेड्डी, महेंद्र सहित बस्ती की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

विधायक धनपाल ने ध्वज उत्सव में भाग लिया

इंदूर, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण ने शनिवार को शहर के जेंडा बालाजी मंदिर में आयोजित ध्वज उत्सव में भाग लेकर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इंदूर में वर्षों से ध्वज उत्सव आयोजित करने की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने बताया कि भाद्रपद माह में विनायक चतुर्थी से पहले ध्वज उत्सव शुरू होगा और मंदिर से पुलंग तक जुलूस के रूप में निकाला जाएगा। यह उत्सव एक सप्ताह तक चलेगा। विधायक धनपाल ने सभी श्रद्धालुओं से ध्वज उत्सव में शामिल होकर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा पार्षद नागोल्ला लक्ष्मीनारायण, पसुनूरी रामू, मलकाई महेंद्र, प्रसूना श्रीनिवास रेड्डी सहित अन्य उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस का धरना, सीईसी के इस्तीफे की मांग

पेद्दापल्ली, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईसीसी और टीपीसीसी के आह्वान पर सोमवार को पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ धरना आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाकर उनके इस्तीफे की मांग की गई। तेलंगाना में 28 सितंबर को जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस के ऐसे विरोध कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। सरकारी सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंता विजयरामन राव ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए विपक्षी दलों और लोकतंत्र समर्थकों से आवाज उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला एवं नगर स्तर के कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सरपंच, युवा कांग्रेस नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

केटीआर से मिले दासारी मनोहर रेड्डी

पेद्दापल्ली, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी ने हैदराबाद स्थित आवास पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात की। इस दौरान पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों, जन समस्याओं, वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और पार्टी की गतिविधियों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने पार्टी को मजबूत करने, जनता के बीच सुलभ रहने तथा जन समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने पर विचार-विमर्श किया। मनोहर रेड्डी ने कहा कि वे बीआरएस को मजबूत करने और जन समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

या...

पुलिस के अनुसार, इन लोगों पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया है।

सिंहस्थ परियोजना के तहत उज्जैन में कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक करीब डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इसके लिए 323 मकान हटाए जाने हैं। इनमें 15 धर्मस्थल भी सड़क के दायरे में आ रहे हैं। अब तक 12 धर्मस्थलों को हटाया जा चुका है।

इसी रूट पर...

सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन स्थित पैतृक मकान का हिस्सा भी प्रभावित हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक मकान पर पहुंचकर पूजन के बाद स्वयं गेती चलाकर सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई में सहयोग किया। उनकी बहन कलावती यादव के मकान का हिस्सा भी प्रस्तावित सड़क की जद में आया। इस तरह सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन में चल रहा सड़क चौड़ीकरण अभियान धार्मिक स्थलों, पुराने भवनों और निजी संपत्तियों से जुड़े विभिन्न मामलों के कारण चर्चा में है।

636 साल पुरानी होने का दावा

शाही मस्जिद की उम्र को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। मस्जिद के इमाम मोहम्मद इब्राहिम के अनुसार इसका निर्माण वर्ष 1390 में हुआ था और इस आधार पर इसे करीब 636 वर्ष पुराना बताया जा रहा है। मस्जिद प्रबंधन इसे उज्जैन के प्राचीन धार्मिक स्थलों में शामिल बताता है। हालांकि, उपलब्ध दस्तावेज इस समय 1390 में इसके निर्माण की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करते। उपलब्ध रिकॉर्ड में 1925 में मस्जिद के अस्तित्व का दस्तावेजी उल्लेख मिलता है और 1985 के मध्य प्रदेश सरकार के राजपत्र में भी इसका उल्लेख दर्ज है। इसलिए 636 वर्ष पुराना होने की बात को मस्जिद पक्ष के दावे के रूप में ही देखा जा रहा है।

ओवैसी ने दी प्रतिक्रिया

मामले पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने उज्जैन में विरोध कर रहे लोगों के तरीके को गांधीवादी बताया और मस्जिदों को हटाने की कार्रवाई का विरोध किया। यह राजनीतिक प्रतिक्रिया है, जबकि प्रशासन और हाईकोर्ट के रिकॉर्ड में सड़क चौड़ीकरण को सिंहस्थ 2028 की तैयारियों, यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से जोड़ा गया है।

18 की उम्र...

जस्टिस बागची ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनी जरूरतों के अनुरूप अपनी व्यवस्था तैयार करनी होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 का भी उल्लेख किया। मेहता ने कहा कि पहली नजर में यह मुद्दा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के दायरे में आता है।

मौजूदा कानून में नाबालिगों के अनुबंध का मुद्दा

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फूलका ने कहा कि डेटा संरक्षण कानून के संबंधित प्रावधान 2027 में लागू होंगे। उन्होंने दलील दी कि नए कानून के लागू होने का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मौजूदा कानून के तहत नाबालिगों की ओर से किए गए अनुबंध शून्य होते हैं।

सॉलिसिटर जनरल ने सुझाव दिया कि माता-पिता की सहमति के आधार पर नियामक व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसमें अनुबंध माता-पिता और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बीच किया जा सकता है। केंद्र ने इस मुद्दे पर विचार करने की बात कही है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने यह भी कहा कि भारत में काम करने वाले कई डिजिटल मध्यस्थ विदेशों में विनियमित या पंजीकृत हैं। इनमें अमेरिका की कंपनियां भी शामिल हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारत में काम करने के दौरान इन प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा।

केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत डिजिटल मध्यस्थों को नाबालिगों से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश देने की व्यवस्था पर भी विचार कर सकता है।

याचिका में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए बच्चों के सामने आने वाले कई खतरों का उल्लेख किया गया है। इनमें ऑनलाइन बहला-फुसलाकर शोषण, यौन शोषण, डिजिटल तस्करी और यौन आधार पर ब्लैकमेलिंग शामिल हैं।याचिका में बच्चों के व्यवहार की प्रोफाइलिंग, निजी आंकड़ों के गलत इस्तेमाल और साइबर बदमाशी के खतरे का भी उल्लेख किया गया है। याचिकाकर्ता ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अधिक प्रभावी सुरक्षा उपाय तथा अभिभावकीय सहमति जैसी व्यवस्था की मांग की है।इस मामले में अदालत ने केंद्र से वैधानिक सुरक्षा व्यवस्था की संभावना पर विचार करने को कहा है। रिपोर्टों के अनुसार मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

त्रिभाषा...

कक्षा 7, 8 और 9 के छात्रों को पहले ही इस संबंध में राहत दी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अनिवार्य तीन-भाषा व्यवस्था से जुड़े व्यापक मुद्दे पर अलग से विचार किया जाएगा।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है और वह वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से कक्षा 6 को छूट देने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों को इसी वर्ष से तीसरी भाषा पढ़नी चाहिए।

केंद्र ने बताया कि लगभग 28,819 सीबीएसई स्कूलों के आंकड़ों के अनुसार करीब 99 प्रतिशत स्कूलों ने तीसरी भाषा की नीति अपना ली है और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार के अनुसार करीब 1.2 प्रतिशत स्कूल ऐसे हैं, जहां इस नीति को लेकर व्यवस्था संबंधी समस्या है।

सुनवाई के दौरान छात्रों और अभिभावकों की ओर से दलील दी गई कि कुछ विद्यार्थी कक्षा 4 से किसी विशेष भाषा का अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन नई व्यवस्था के कारण उन्हें दूसरी भाषा लेने के लिए कहा जा रहा है। वकीलों ने पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता और पहले से पढ़ी जा रही भाषाओं को बदलने को लेकर भी चिंता जताई। पीठ ने इस बात पर विचार किया कि पहले से किसी भाषा का अध्ययन कर रहे कक्षा 6 के छात्रों से अचानक भाषा बदलने की अपेक्षा करना उनके लिए कठिनाई पैदा कर सकता है। इसी संदर्भ में कोर्ट ने वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों के समान राहत देने का निर्देश दिया।सुनवाई के दौरान एक वकील ने अंग्रेजी को गैर-मातृभाषा के रूप में अधिसूचित किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इसके कारण कुछ छात्र पहले से पढ़ी जा रही विदेशी भाषाओं को छोड़ने के लिए मजबूर हुए हैं।

यूपीआई को...

इसके साथ ही भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए को भी चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस प्रावधान के माध्यम से सरकार को यह तय करने का व्यापक अधिकार मिल जाता है कि कौन-सी डिजिटल भुगतान सेवा शुल्क-मुक्त रहेगी और किस पर शुल्क लगाया जाएगा।सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमण ने कहा कि आम लोगों के एक-दूसरे को पैसे भेजने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। सरकार का कहना है कि देश के लगभग 96 प्रतिशत छोटे व्यापारी भुगतानों पर भी इस व्यवस्था का असर नहीं पड़ेगा।नई व्यवस्था के तहत सामान्य व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई भुगतान में 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाएगा। यह शुल्क व्यापारी को अपने भुगतान प्राप्त करने वाले बैंक या संबंधित भुगतान व्यवस्था को देना होगा, ग्राहक को नहीं। 75,000 रुपये या उससे अधिक के लेनदेन पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये प्रति लेनदेन रखी गई है।

जिन छोटे व्यापारियों की यूपीआई से मासिक प्राप्तियां 1 लाख रुपये तक हैं, उन्हें इस एमडीआर से छूट दी गई है। ऐसे व्यापारियों के लिए 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर भी एमडीआर नहीं लगेगा। इसी वजह से सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था से अधिकांश छोटे व्यापारियों पर असर नहीं पड़ेगा।

भारत-पाक ...

आगामी बैठकों और कार्यक्रमों की तैयारियां तथा संगठन के एजेंडे से जुड़े अन्य विषय शामिल हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक उसकी 2026-27 की अध्यक्षता के तहत होने वाली उच्चस्तरीय गतिविधियों की शुरुआती तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।पाकिस्तान 2026-27 के लिए एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। इसी कार्यकाल के दौरान अगस्त 2027 में एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की बैठक इस्लामाबाद में आयोजित करने की योजना है। राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक में अगले वर्ष होने वाली इस उच्चस्तरीय बैठक सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों और आपसी समन्वय पर काम किया जा रहा है।

पाकिस्तान ने अपनी एससीओ अध्यक्षता के लिए टर्निंग विजन इंटू एक्शन : कनेक्टिविटी, इनोवेशन एंड शेयर्ड प्रॉस्पेरिटी यानी दृष्टि को कार्रवाई में बदलना : संपर्क, नवाचार और साझा समृद्धि विषय तय किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अध्यक्षता के दौरान सदस्य देशों के बीच संपर्क बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने, आर्थिक सहयोग मजबूत करने और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।शंघाई सहयोग संगठन में भारत और पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस सदस्य देश हैं। राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक में सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि संगठन के आगामी कार्यक्रमों और सहयोग से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।भारत की ओर से इस बैठक में भागीदारी ऐसे समय में हुई है, जब भारत-पाकिस्तान संबंधों में द्विपक्षीय स्तर पर तनाव बना हुआ है। बैठक का आधिकारिक एजेंडा एससीओ के सहयोग, समन्वय और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर केंद्रित है। ऐसे में इस्लामाबाद में भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों की एक ही बहुपक्षीय मंच पर मौजूदगी दोनों देशों की एससीओ में जारी संस्थागत भागीदारी को दर्शाती है।

कावेरी...

ऐसी परिस्थितियों में हवा का दबाव और तापमान दोनों तेजी से कम होते हैं।

इसके बाद इंजन के उड़ान परीक्षण किए गए। इंजीनियरों ने संशोधित इल्यूशिन आईएल-76 विमान को उड़ान परीक्षण मंच के रूप में इस्तेमाल किया। उसके मानक इंजनों में से एक को हटाकर उसकी जगह कावेरी इंजन लगाया गया।

इस तरह के उड़ान परीक्षण मंच के जरिए किसी विशेष विमान के डिजाइन से सीधे जुड़े बिना नए इंजन को वास्तविक उड़ान परिस्थितियों में परखा जा सकता है। परीक्षण के दौरान टीम ने अलग-अलग बाहरी दबाव, मैक संख्या और थ्रस्ट की जरूरतों के अनुसार इंजन का परीक्षण किया। कुछ परीक्षण जमीन पर किए गए, जबकि बाकी परीक्षण हवा में किए गए।

थ्रस्ट का मुद्दा वर्षों से कावेरी कार्यक्रम के लिए बड़ी चुनौती रहा है। लगभग 46 किलो न्यूटन के लक्ष्य के मुकाबले 48.5 किलो न्यूटन का थ्रस्ट हासिल होना बताता है कि इंजन ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक शक्ति प्रदर्शित की है।

रूस में परीक्षण का चरण पूरा हो चुका है। अब परियोजना आगे प्रमाणन और एकीकरण की प्रक्रिया में बढ़ेगी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवद-र्निनेस एंड सर्टिफिकेशन (सीईएमआईएलएसी) वायुयोग्यता की मंजूरी देने से पहले परीक्षण से प्राप्त आंकड़ों और अन्य निर्धारित मानकों की जांच करेगा।

हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि इंजन बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार हो गया है। परिचालन इस्तेमाल से पहले इसे प्रमाणन प्रक्रिया से गुजरना होगा और संबंधित विमान मंच के साथ इसका एकीकरण भी पूरा करना होगा।

कावेरी इंजन की कहानी हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' के साथ शुरू हुई थी। इस परियोजना को 382.21 करोड़ रुपये के शुरुआती बजट के साथ मंजूरी दी गई थी। इसके बाद परियोजना में एक के बाद एक तकनीकी समस्याएं सामने आईं, विशेष रूप से आवश्यक थ्रस्ट हासिल करने और महत्वपूर्ण इंजन तकनीक विकसित करने में कठिनाइयां आईं।

आखिरकार मूल कावेरी इंजन को तेजस में नहीं लगाया जा सका। हालांकि, यह प्रयास पूरी तरह व्यर्थ नहीं गया। इससे भारत को गैस टर्बाइन तकनीक के क्षेत्र में व्यावहारिक विशेषज्ञता मिली और बाद में विकसित किए गए डेरिवेटिव इंजनों के लिए आधार तैयार हुआ। इनमें 'घातक' के लिए तैयार किया जा रहा ड्राई वैरिएंट भी शामिल है।

परीक्षण के लिए रूस ही क्यों चुना गया?

भारत के पास अधिक ऊंचाई वाली परिस्थितियों को दोहराने के लिए आवश्यक विशेष उच्च-ऊंचाई परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इसी वजह से प्रोटोटाइप इंजनों को परीक्षण के लिए विदेश भेजना पड़ा। कावेरी डेरिवेटिव इंजन के परीक्षण का यह चरण भी रूस में पूरा किया गया।

आगे क्या होगा?

यदि प्रमाणन और एकीकरण की प्रक्रिया सफल रहती है, तो कावेरी डेरिवेटिव इंजन घातक और भविष्य में संभावित अन्य मानवरहित प्लेटफॉर्म यानी बिना पायलट वाले विमानों के लिए एक स्वदेशी इंजन विकल्प बन सकता है।

भारत के सैन्य विमानन क्षेत्र के लिए यह देश में ही उन्नत जेट इंजन विकसित करने की दशकों पुरानी कोशिश में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

बॉस ही...

पुलिस के मुताबिक, दस्तावेजों पर आरोपी के हस्ताक्षर भी थे। इन दस्तावेजों के आधार पर कंपनी को यह विश्वास हुआ कि वह पहले लैंडमार्क समूह में काम कर चुका है और वहां उसे करीब पौने तीन लाख रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था। इसके बाद उसे कंपनी में ऊंचे पद पर नियुक्त किया गया।

नौकरी मिलने के बाद देवेंद्र ने कंपनी में काम शुरू किया। पुलिस के अनुसार, कंपनी प्रबंधन उसके काम से संतुष्ट था। इसी दौरान उसकी जिम्मेदारियां बढ़ाई गईं और उसे समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (बिक्री पश्चात) का प्रभार सौंप दिया गया। यानी जिस नौकरी को हासिल करने के लिए उसने कथित तौर पर पुराने अनुभव और वेतन के फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया था, उसी के आधार पर वह कंपनी में और ऊंचे पद तक पहुंच गया।

करीब नौ महीने तक सब कुछ सामान्य चलता रहा। फिर मई 2026 में देवेंद्र ने अचानक कंपनी से इस्तीफा दे दिया। यही इस्तीफा आगे चलकर उसके लिए सबसे बड़ी मुश्किल की वजह बन गया।

नौकरी छोड़ने के बाद कंपनी में उसका पूर्ण और अंतिम भुगतान तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान मानव संसाधन विभाग की टीम ने उसके पुराने रोजगार और वेतन से जुड़े दस्तावेजों का दोबारा सत्यापन शुरू किया। कंपनी ने यह पता लगाने की कोशिश की कि जिस लैंडमार्क समूह में काम करने का दावा देवेंद्र ने किया था, वहां उसका वास्तव में रोजगार रहा भी था या नहीं। जांच आगे बढ़ी तो मामला उलट गया।

पुलिस के मुताबिक, सत्यापन में सामने आया कि देवेंद्र ने लैंडमार्क समूह में नौकरी ही नहीं की थी। यानी जिस कंपनी के अनुभव के आधार पर उसने खुद को अनुभवी अधिकारी बताया था, वहां उसके रोजगार का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद उसके द्वारा जमा किए गए वेतन विवरण पर भी सवाल खड़े हुए। करीब 2.80 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन दिखाने वाला बैंक विवरण भी जांच के घेरे में आ गया।मानव संसाधन विभाग की टीम को दस्तावेजों में कथित फर्जीवाड़े का पता चला तो कंपनी प्रबंधन को इसकी जानकारी दी गई।

दस्तावेजों की जांच में कथित फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद कंपनी की ओर से ग्वालियर क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने तथा उनका इस्तेमाल करने से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मामले में अपराध क्रमांक 33/26 दर्ज किया गया। लेकिन तब तक देवेंद्र ग्वालियर से दूर जा चुका था।प्राथमिकी दर्ज होने के बाद वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहा। पुलिस उसकी तलाश में जुटी रही, जबकि वह कानपुर में छिपा हुआ था।

आरोपी की तलाश के दौरान क्राइम ब्रांच ने उसके संभावित ठिकानों और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई। विवेचना के दौरान पुलिस को तकनीकी माध्यम से उसके कानपुर में होने की सूचना मिली। इसके बाद ग्वालियर क्राइम ब्रांच की टीम कानपुर पहुंची और आरोपी की तलाश शुरू की।

पुलिस के मुताबिक, तलाश के दौरान आरोपी का ठिकाना पनकी थाना क्षेत्र स्थित वैष्णवी कुटी में मिला। क्राइम ब्रांच की टीम ने दबिश देकर देवेंद्र कुमार दुबे को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ग्वालियर लाया गया और न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 29 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में

हिंदी कार्यशाला, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की शृंखला में आज 28 सितंबर, 2026 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने ई-ऑफिस पर राजभाषा हिंदी के उपयोग की आसान युक्तियां बताई तथा संस्थान में प्रयुक्त टिप्पणियों एवं मसौदा के बारे में जानकारी प्रदान की।

तत्पश्चात कार्यालय के नेमी कार्यों में प्रत्येग वर्ग (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, आरए, एसआरएफ आदि) के सहभागियों के द्वारा हिंदी के उपयोग का मूल्यांकन एवं प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संस्थान में कार्यरत सभी संवर्ग के लगभग 14 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया।

श्री शिवप्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी, तथा श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी को प्रतियोगिता के निर्णायकों के रूप में नामित किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

शहीद भगत सिंह को पुष्पांजलि अर्पित

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मंगलहाट डिवीजन स्थित रामपुरा गौशाला में शहीद भगत सिंह जी की 119वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम का आयोजन वार्ड सदस्य वाई. नागिरेड्डी द्वारा किया गया, जिसमें अन्न प्रसादम का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आइए हम शहीद भगत सिंह जी के साहस, बलिदान और देशभक्ति को स्मरण करें तथा उन आदर्शों को बनाए रखें, जिनके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया।

कार्यक्रम में मंगलहाट के पूर्व कॉर्पोरेटर परमेश्वरी सिंह लोध, खैरताबाद डीसीसी उपाध्यक्ष राकेश सिंह, किरण मुदिरज, शोभा बाई, पी. शांता, वाई. श्रीदेवी, विष्णु मूर्ति, राजन भाई, गोपाल सिंह, बाकेश सिंह, एच. कुमार सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

कार्यकारिणी के कार्यों एवं आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत, नवरात्रि उत्सव के लिए बोली संपन्न

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की वार्षिक साधारण सभा रविवार, 27 सितंबर को शाम 4 बजे गौलीगुड़ा स्थित मैढ़ भवन में आयोजित की गई। सभा में समाज के अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान जगदीश प्रसाद जी मायछ, वयोवृद्ध समाजसेवी श्रीमान श्रीनिवास जी बुट्टण, श्रीमान सम्पतकुमार जी परवाल, श्रीमान अशोक कुमार जी कडेल, मार्गदर्शक मंडल के श्रीमान विवेकानंद जी अग्रोया, श्रीमान हुलासचन्द जी तोषावड़, श्रीमान हरिकिशन जी मायछ, श्रीमान गोविन्द जी झींगा, श्रीमान नारायण जी कडेल, समाज के महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर जी कडेल, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमान महावीर प्रसाद जी कडेल तथा महाराजा अजमीढ़जी चैरिटेबल ट्रस्ट, हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्रीमान ललित कुमार जी कडेल मंचासीन रहे।

माताजी एवं महाराजा अजमीढ़जी के दीप प्रज्वलन के पश्चात समाज अध्यक्ष पवनकुमार मायछ ने स्वागत भाषण दिया। महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ ने वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके पश्चात

कोषाध्यक्ष युगलकिशोर जी कडेल ने पूरे कार्यकाल का आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे करतल ध्वनि के साथ पारित कर दिया गया।

इसके बाद नवरात्रि उत्सव के लिए बोलियां ली गईं, जिसमें श्रीमान कन्हैयालाल जी एवं राजेश कुमार जी परवाल ने मुख्य यजमान की बोली जीती। इस अवसर पर नवरात्रि, अजमीढ़ जयंती एवं दीपावली स्नेह मिलन के संयोजक प्रदीप कुमार जी मांडन, राजेश कुमार जी खिप्पल, भींवराज जी मायछ एवं कन्हैयालाल जी कडेल तथा महाराजा अजमीढ़जी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित कुमार जी कडेल, महामंत्री राजेश कुमार जी परवाल, कोषाध्यक्ष शरद कुमार जी बुट्टण एवं मुख्य यजमान राजेश कुमार जी परवाल का समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया।

सभा में सहमंत्री विष्णु मायछ, अशोक कुमार मौसूण, भवन मंत्री दामोदर जी कडेल, प्रचार मंत्री चन्द्रशेखर जी रोड़ा, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के महामंत्री घनश्याम मायछ, कोषाध्यक्ष दामोदर ढल्ला, जयकुमार मायछ, पंकज वर्मा, सुरेश परवाल, विकास भामा, मुकेश कुमार डांवर, नवरत्नमल जी जौहरी, नथमल जी रोड़ा, रवि रोड़ा, मालचंद जी मौसूण, कमल कडेल, राजेश कडेल, संतोष अग्रोया, इन्दरचन्द जी अग्रोया, कैलाश चन्द जी, नन्दकिशोर जी परवाल, चन्द्रप्रकाश जी कडेल, पूनमचन्द जी तोषावड़, संतोष कुमार जी कडेल, माणकचंद जी देवाल, गोपाल जी धुप्पड़, सागर माहोर, पुरुषोत्तम जी कडेल, राकेश कुमार जी कडेल, मुकेश मांडन, विष्णु जी डांवर, किशोरकुमार जी अग्रोया, देवकरण मायछ, लोकेश वर्मा, राजेश जी रोड़ा, सम्पतकुमार ढल्ला, दिनेश जी मौसूण, प्रेम मायछ, जुगलकिशोर जी परवाल, मनोज मायछ, सत्यनारायण जी डांवर, जुगलकिशोर जी सहदेव, मोहित, छगनलाल जी परवाल, मनीष सोनी, सविता सोनी, आशीष मायछ, देवकीनंदन जी खजवाणियां, हुक्मीचंद जी, कंचन जी मौसूण, ओम परवाल एवं नन्दा जी सुनालिया सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति एवं सहभागिता सराहनीय रही।

अजय गांधी ने टीएससीएस मरीजों को अपने उल्लेखनीय सफर से प्रेरित किया

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंदन निवासी 57 वर्षीय थैलेसीमिया मेजर मरीज श्री अजय गांधी, जो लगभग छह दशकों से इस बीमारी के साथ जी रहे हैं, आज हैदराबाद थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) पहुंचे और उन्होंने अपने प्रेरक जीवन सफर, अनुभवों, चुनौतियों तथा एक पुरानी रक्त विकार के बावजूद अपनाए गए अवसरों को साझा किया।

टीएससीएस के एमआर आरआर ऑडिटोरियम में सैकड़ों थैलेसीमिया और सिकल सेल मरीजों तथा उनके अभिभावकों के साथ उनकी बातचीत बेहद प्रेरक और उत्साहवर्धक रही। इस मौके पर टीएससीएस अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अनुसंधान अधिकारी एवं सचिव डॉ. सुमन जैन, उपाध्यक्ष श्रीमती रत्नावली, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. पद्मा तथा मनोज रुपानी भी उपस्थित थे। अजय ने अपने बचपन,

स्वास्थ्य चुनौतियों, उपचार यात्रा, करियर, विवाह, पारिवारिक जीवन और थैलेसीमिया मेजर की चुनौतियों के बावजूद संतोषजनक जीवन बनाने में मदद करने वाले संकल्प के बारे में खुलकर बात की।

थैलेसीमिया मेजर के साथ अपने लगभग 57 वर्षीय सफर पर विचार करते हुए अजय ने कहा कि यह स्थिति उनके जीवन का हिस्सा है, लेकिन यह उन्हें परिभाषित नहीं करती। उन्होंने अपने सफर का श्रेय दृढ़ संकल्प, अनुशासित उपचार, उत्कृष्ट चिकित्सा देखभाल, परिवार के समर्थन, आस्था और दृढ़ता को दिया। उनके वर्तमान परीक्षण परिणाम भी दशकों के निरंतर उपचार और देखभाल से हासिल किए गए उल्लेखनीय सुधार को दर्शाते हैं।

अपनी यात्रा के दौरान अजय ने टीएससीएस द्वारा थैलेसीमिया मरीजों को एक छत के नीचे पूरी तरह निशुल्क व्यापक सुविधाएं और समर्थन प्रदान करने की सराहना की।

नितिन सिंघानिया के जन्मदिन पर हुई अन्नसेवा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत नितिन सिंघानिया के जन्मदिन के अवसर पर विशेष अन्नसेवा की गई। यह सेवा श्री सागरमलजी सत्यनारायणजी सिंघानिया परिवार की ओर से की गई।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने नितिन सिंघानिया के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना की। सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन जैसे खुशी के अवसर को सेवा कार्य से जोड़ना भारतीय संस्कारों और मानवता की भावना को मजबूत करता है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने से बढ़कर कोई सेवा नहीं है।

कार्यक्रम के दौरान नितिन सिंघानिया ने दूरभाष के माध्यम से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक कारणों के चलते वे स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए, जिसका उन्हें खेद है, लेकिन राधे-राधे ग्रुप ने उनके जन्मदिन को सेवा से जोड़कर जिस आत्मीयता और सेवा भाव का परिचय दिया है, वह उनके और उनके परिवार के लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन पर इस प्रकार की अन्नसेवा उनके लिए यादगार और भावुक कर देने वाला अवसर है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों को इस सेवा कार्य के लिए हृदय से धन्यवाद दिया।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, कैलाश केडिया, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गो सम्मान आह्वान अभियान 11 दिसंबर को

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने और गौवंश की रक्षा का संकल्प

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौमाता को राष्ट्रमाता का पद घोषित करने, गौवंश की रक्षा करने तथा देश में गोहत्या बंद करने के संकल्प के साथ आगामी 11 दिसंबर 2026 को गो सम्मान आह्वान अभियान का आयोजन किया जाएगा।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान ने बताया कि गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना तथा एकीकृत केंद्रीय कानून के निर्माण की मांग को लेकर शुक्रवार, 11 दिसंबर 2026 को संपूर्ण भारतवर्ष के मंडलों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, बल्कि गौमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं ट्रस्टी तरुण मेहता ने बंजारा हिल्स स्थित मंत्री क्वार्टर्स में तेलंगाना राज्य के मंत्री जी. विवेक, सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ में महंत अच्युत रामानुजाचार्य, नारायणगुडा में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के पूर्व मंत्री डॉ. भगवंत राव, महेंद्र व्यास, भाजपा नेता वाय. कृष्णा एवं डॉ. जिग्नेश गोकानी, दिलसुखनगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तेलंगाना गौरक्षा विभाग के प्रमुख रामा राव, अखिल भारतीय गौ सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष बालकृष्ण गुरु स्वामी, ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिन-ोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर. के. जैन आदि से भेंट कर आगामी 11 दिसंबर को आयोजित होने वाले गो सम्मान आह्वान अभियान की विस्तृत जानकारी दी। जसमत पटेल ने कहा कि देशभर में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत 11 दिसंबर को 5 हजार मंडल कार्यालयों में ज्ञापन सौंपे जाएंगे। अभियान के तहत देश के लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्थल पर 3 संत और 3 गौप्रेमी कार्यकर्ता जुड़ेंगे, जो जिले के अन्य गौप्रेमी संतों और गौरक्षकों को भी अभियान से जोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि यह अभियान किसी संस्था या संगठन के बैनर तले आयोजित नहीं होगा, बल्कि इसके प्रधान संरक्षक वेदलक्षणा गोमाता एवं अध्यक्ष नंदी बाबा (वृषभ) होंगे। यह अभियान गौमाता और नंदी बाबा को समर्पित रहेगा।

रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि आगामी 11 दिसंबर 2026 को प्रातः 8.30 बजे इंदिरा पार्क के पास स्थित एन.टी.आर. गार्डन में गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा।

जनसभा के पश्चात एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्यमंत्री से भेंट कर ज्ञापन सौंपेगा। वहीं, अन्य प्रतिनिधिमंडल हैदराबाद जिलाधीश कार्यालय पहुंचकर जिलाधीश को गो सम्मान आह्वान संबंधी ज्ञापन सौंपेंगे।

रसूलपुरा स्थित बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर में आयोजित चार दिकसीय आध्यात्मिक पारायण महोत्सव में पू. जनमंगलदास स्वामी का अभिनंदन करते हुए आात्मचिंतनदास स्वामी, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, घनश्याम पटेल एकं अन्य।

मंचेरियाल में भीषण सड़क हादसा, चार महिला मजदूरों की मौत

ऑटो और टिपर की भिड़ंत में कई घायल, कुछ की हालत चिंताजनक

रामगुंडम सीपी अंबर किशोर झा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से ली हादसे की जानकारी

मंचेरियाल, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के नस्पूर में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार महिला मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मंचेरियाल सरकारी अस्पताल ले जाकर उपचार कराया गया। इनमें कुछ लोगों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। बेहतर उपचार के लिए कुछ घायलों को करीमनगर भी रेफर किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मंचेरियाल के नस्पूर क्षेत्र में लॉरी और ऑटो की टक्कर हुई। हादसे में मंदमरी मंडल के पोन्नारम गांव की लक्ष्मी, लेमूरु वेंकटापुर की अग्गु सौंदर्या, रावली और सोनिया की मौत होने की जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि ये सभी रोजाना काम के लिए ऑटो से मंचेरियाल जा रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। वहीं पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि दुर्घटना के समय ऑटो गलत दिशा में जा रहा था और सामने से आ रहे टिपर ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हुई।

हादसे के बाद मंचेरियाल सरकारी अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया। शवों को सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां परिजनों की चीख-पुकार से अस्पताल परिसर में मातम छा गया। घायलों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि स्पीड ब्रेकर के पास ऑटो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

रामगुंडम पुलिस कमिश्नरेट के मंचेरियाल जोन के अंतर्गत सीसीसी नस्पूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए हादसे के स्थल का रामगुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने निरीक्षण किया। उन्होंने मंचेरियाल डीसीपी ए. भास्कर और एसीपी आर. प्रकाश के साथ मौके पर पहुंचकर जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीपी ने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों और घटना के पूरे ब्योरे की जानकारी ली। उन्होंने सड़क की स्थिति और डिवाइडर का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में सीपी अंबर किशोर झा ने कहा कि सीसीसी नस्पूर पुलिस थाना क्षेत्र में हुई यह सड़क दुर्घटना बेहद दर्दनाक और दुखद है। प्राथमिक जांच और सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन से पता चलता है कि ऑटो चालक गलत दिशा में वाहन चला रहा था, जिसके कारण सामने से आ रहे टिपर ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई।

सीपी ने बताया कि हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें अधिकांश महिलाएं शामिल हैं। ये सभी लोग अपना काम खत्म करके घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए करीमनगर रेफर किया गया है, जबकि अन्य का मंचेरियाल के अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस विभाग घायलों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए है और डॉक्टरों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। पीड़ितों की मदद के लिए स्थानीय जिला कलेक्टर के साथ भी समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा के उपायों पर सीपी ने कहा कि घटनास्थल पर डिवाइडर के बीच बने अवैध कट और गैप की पहचान की गई है, जहां से वाहन अवैध रूप से यू-टर्न लेते हैं। इस क्षेत्र को दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है।

भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए सड़क में आवश्यक बुनियादी बदलाव करने, डिवाइडर के गैप को बंद करने और यातायात नियंत्रण के कड़े इंतजाम करने के लिए संबंधित विभागों को तुरंत प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। पुलिस विभाग सड़कों पर आवश्यक इंजीनियरिंग बदलावों और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देगा, ताकि जान-माल के नुकसान को रोका जा सके।

अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

हादसे की सूचना मिलने के बाद सीपी अंबर किशोर झा मंचेरियाल के सरकारी अस्पताल पहुंचे और घायल व्यक्तियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान उनके साथ मंचेरियाल के डीसीपी भास्कर, एसीपी प्रकाश, ग्रामीण सीआई रविंदर और अशोक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस नेताओं ने दी आर्थिक सहायता

सड़क हादसे में मृतकों और घायलों के परिवारों को कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी के निर्देश पर पार्टी नेताओं ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान मृतकों के परिवारों को 25-25 हजार रुपये तथा घायलों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। इस मौके पर मनथेना जगनमोहन राव समेत कांग्रेस के अन्य नेता मौजूद थे।

सांसद वमसी कृष्ण ने हरसंभव मदद का दिया भरोसा

सड़क हादसे से प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वम्सी कृष्ण ने दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों को किसी भी स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा तथा जरूरत के अनुसार मदद के लिए प्रयास किए जाएंगे।सांसद ने संबंधित अधिकारियों से पीड़ितों की स्थिति और उन्हें मिल रही सहायता की जानकारी लेने की बात कही। उन्होंने पीड़ित परिवारों को धैर्य रखने का भरोसा दिलाया।

श्रीधर बाबू ने बिलट्रस्ट के नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर का उद्घाटन किया

450 करोड़ निवेश और तीन वर्षों में 1,000 सदस्यीय टीम बनाने की प्रतिबद्धता

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बी2बी कैश जेनरेशन प्लेटफॉर्म बिलट्रस्ट ने आज राहेजा माइंडस्पेस, बिल्डिंग नंबर 14, माधपुर, हैदराबाद में अपने नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) का उद्घाटन कर कंपनी के भारत संचालन की औपचारिक स्थापना की।

तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधान कार्य मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने बिलट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्रांट हॉलोरन और कंपनी की वैश्विक कार्यकारी नेतृत्व टीम के सदस्यों के साथ सुविधा का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने भारत में एआई-फर्स्ट ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने की बिलट्रस्ट की दृष्टि की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हैदराबाद केंद्र बिलट्रस्ट के वैश्विक संचालन तथा उसकी प्रौद्योगिकी और नवाचार यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा।

मंत्री ने कंपनी के राज्य में विस्तार के साथ तेलंगाना सरकार के निरंतर समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं बिलट्रस्ट के नेतृत्व ने अगले तीन वर्षों में 1,000 सदस्यीय मजबूत टीम बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिससे प्रौद्योगिकी, नवाचार और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के हब के रूप में हैदराबाद की स्थिति और मजबूत होगी। हैदराबाद में मजबूत और भविष्य-तैयार प्रतिभा पूल की उपलब्धता पर जोर देते हुए मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि शहर में कुशल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और बिलट्रस्ट को टी-हब तथा टास्क (तेलंगाना एकेडमी फॉर स्किल एंड नॉलेज) के माध्यम से उपलब्ध इकोसिस्टम और समर्थन का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने टास्क की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों को उभरती और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में कुशल, काम के लिए तैयार और उच्च प्रशिक्षित प्रतिभा पूल तक पहुंचने में मदद करता है। इससे कंपनियां स्वतंत्र रूप से ऐसी क्षमताएं बनाने में बड़े निवेश या व्यापक प्रयासों के बिना आवश्यक प्रतिभा प्राप्त कर सकती हैं।

तेलंगाना आपकी प्रगति में भागीदार रहेगा, मंत्री ने बिलट्रस्ट नेतृत्व से कहा और कंपनी की हैदराबाद में वृद्धि तथा विस्तार के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

माइंडस्पेस आईटी पार्क, माधपुर की बिल्डिंग नंबर 14 में स्थित नई सुविधा 40,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैली है और इसमें 250 कर्मचारियों तक की क्षमता है। इस स्थान को तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारत की कलात्मक परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बिलट्रस्ट के भारत संचालन को क्षेत्र में प्रामाणिक रूप से जड़ने का जानबूझकर किया गया चुनाव है।

सीबीडीटी ने आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाई

नई दिल्ली / हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 2 की तालिका में क्रम संख्या 2 पर उल्लिखित व्यक्तियों के मामले में आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी है।

इसके अनुसार, ऐसे व्यक्तियों के मामले में आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की 'निर्दिष्ट तिथि' भी बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दी गई है।

मित्र यूथ एसोसिएशन ने शहीद भगत सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह जी की 119वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को मित्र यूथ एसोसिएशन, चात्रीनाका, हैदराबाद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस मौके पर मित्र यूथ एसोसिएशन के महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार, सदस्य बी. कोटेश, एस. करण, दुर्गा प्रसाद, अंजनेयुलु, राघवेंद्र, अभिलाष सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए क्रांति कुमार ने कहा कि भगत सिंह जी की देशभक्ति और राष्ट्र के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा तथा वे हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

प्रगतिनगर सीनियर सिटिज़न्स एसोसिएशन में अनोखी स्नेह सम्मेलन

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में प्रगतिनगर सीनियर सिटिज़न्स एसोसिएशन की दसवीं सालगिरह के मौके पर रविवार को एसोसिएशन कार्यालय में अनोखी स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया था।

इस प्रोग्राम में एसोसिएशन के करीब 60 मेंबर्स और उनके धर्म पत्नीयों ने हिस्सा लिया। शुरू में, एक इंट्रोडक्शन प्रोग्राम हुआ। फिर सभी ने स्वादिष्ट भोजन का मज़ा लिया।फिर महिलाओं, पुरुषों और दंपतियों के लिए कई तरह के गेम्स रखे गए। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सी.एच. कामैया ने विजेताओं को इनाम बांटे।

समर्पण से ही सेवा का भाव जागृत होता है : लता गोयल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लता गोयल ने कहा कि सेवा का भाव समर्पण की भावना से ही आता है। जब व्यक्ति अपने तन-मन-धन से सेवा के लिए समर्पित होता है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। सेवा केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता, अपनापन और सहयोग की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

लता गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा समाज के लिए प्रेरणादायी कार्य है। प्रतिदिन सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना और उनके साथ आत्मीयता से जुड़ना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में दिखावे की नहीं, बल्कि निस्वार्थ भावना और निरंतर समर्पण की आवश्यकता होती है। जब सभी लोग मिलकर सेवा कार्य में सहयोग करते हैं, तो उसका प्रभाव समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा को आगे बढ़ाना है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अपनी सहभागिता निभाकर सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से इसी प्रकार मिल-जुलकर सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए अन्न-सेवा को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को सेवा से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

भगत सिंह की भावना से देश की सेवा करें : लिंगम श्रीध

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहीद भगत सिंह की जयंती पर काचीगुड़ा के निंबोली अड्डा स्थित श्री सरस्वती शिशु मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आरएसएस तेलंगाना प्रचारक लिंगम श्रीधर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लिए मरना ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से देश के लिए जीना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी, नैतिक मूल्यों और शिक्षा के माध्यम से देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के तहत विद्यार्थियों के अभिभावकों को पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में स्कूल समिति सदस्य डीआरएस नरेंद्र, प्रधानाचार्य श्रवणथी, भाजपा नेता केसरी नरसिंह यादव, सुभाष पटेल, राजशेखर, साईकिरण सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

एनएमडीसी ने बस्तर, छत्तीसगढ़ में 5,427 करोड़ रुपये की लागत से

लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र, स्लरी पाइपलाइन और पेलेट संयंत्र शुरू किया

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ के नगरनार में अपने 2 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) पेलेट संयंत्र को शुरू किया है, जो कि लौह अयस्क प्रसंस्करण, पाइपलाइन और पेलेट बनाने की 5,427 करोड़ रुपये की एकीकृत परियोजना का हिस्सा है । यह एकीकृत परियोजना बचेली में अपने लौह अयस्क संचालन को कंपनी के नगरनार में स्थित इस्पात संयंत्र से जोड़ता है ।

इस परियोजना के अंतर्गत बचेली में एक नया लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र, 15 एमटीपीए स्लरी पाइपलाइन और नगरनार में 2 एमटीपीए पेलेट संयंत्र शामिल हैं । 135 कि.मी. की स्लरी पाइपलाइन बचेली से नगरनार तक संसाधित लौह अयस्क कॉन्संट्रेट ले जाती है, जो सड़क द्वारा इस सामग्री की ढुलाई का विकल्प है ।

पेलेट संयंत्र से प्रथम उत्पादन प्रक्रिया की निगरानी एनएमडीसी मुख्यालय से श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह- प्रबंध निदेशक और कंपनी के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा की गई, क्योंकि खराब मौसम के कारण वे परियोजना स्थल तक नहीं पहुँच पाए ।

ये सुविधाएं एनएमडीसी को अपनी बैलाडीला खदानों से लौह अयस्क के फाइन्स और स्लाइम्स को कॉन्संट्रेट में संसाधित करने और बाद में कॉन्संट्रेट को छर्रों में बदलने में सक्षम बनाएंगी । यह पेलेट संयंत्र इस्पात-निर्माण में उपयोग के लिए पेलेट बनाने हेतु स्ट्रेट ग्रेट इंडुरेशन तकनीक का उपयोग करता है ।

इस अवसर पर श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी लिमिटेड ने कहा एनएमडीसी में सभी के लिए आज अत्यंत गर्व का दिन है । इस परियोजना को पूरा करना आसान नहीं था । इसमें प्रसंस्करण सुविधाएं, वास्तविक स्लरी पाइपलाइन और पेलेट संयंत्र शामिल हैं । लेकिन आज का दिन बहुत खास है - एक ऐसा दिन जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे । यह वह दिन है जब हम सब का देखा हुआ सपना सच हो रहा है ।

यह कमीशनिंग खनन और बेनिफिशिएसन से लेकर स्लरी परिवहन और पेलेट उत्पादन तक, लौह अयस्क मूल्य- शृंखला में एनएमडीसी की उपस्थिति को मजबूत करता है । यह कंपनी के पोर्टफोलियो में एक नया मूल्य-संवर्धित उत्पाद भी जोड़ता है और इसे अपने बैलाडीला संचालन से उत्पन्न लौह अयस्क के फाइन्स और स्लाइम्स के इष्टतम उपयोग को सक्षम बनाता है ।

यह परियोजना एनएमडीसी की व्यापक विस्तार और विविधीकरण रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि कंपनी लंबी अवधि में अपनी लौह अयस्क उत्पादन क्षमता को 100 मिलियन टन तक बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है ।

यह स्लरी पाइपलाइन बस्तर और दंतेवाड़ा जिलों के 61 गांवों से होकर गुजरती है और इसे सड़क मार्ग से संसाधित अयस्क की आवाजाही, निकासी के वैकल्पिक तरीके प्रदान करने और रेलवे पर निर्भरता को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । इस परियोजना ने एनएमडीसी के बचेली संचालन और नगरनार के बीच एक समर्पित लिंक को सुनिश्चित किया है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.